INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त–134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-248 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, रविवार, 1 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

संतान सुख की आस में राधाकुंड पहुंचे श्रद्धालु, आधी रात को लगेगी डुबकी

स्नान के लिए देश-विदेश से उमड़े श्रद्धालु, राधाकुंड में भाव और विश्वास का संगम

यूनिक समय, मथुरा। संतान सुख की कामना और अटूट आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने राधाकुंड में डेरा डाल दिया है। रविवार रात 12 बजे से शुरू होने वाले पवित्र स्नान के लिए स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ आसपास के जिलों, दूसरे राज्यों और विदेशों तक से लोग यहां पहुंचे हैं। किसी की आंखों में संतान प्राप्ति की आस है तो कोई अपनी मनौती पूरी होने की उम्मीद लेकर राधाकुंड की पावन धरा पर आया है। श्रद्धा, विश्वास और भावनाओं से सराबोर माहौल में हर कोई स्नान की घड़ी का इंतजार कर रहा है।

राधाकुंड की गलियों और कुंड के आसपास श्रद्धालुओं की मौजूदगी बढ़ने लगी है। दूर-दराज से आए लोगों ने स्नान के लिए अपनी जगह बनाई और रात बीतने का इंतजार करने लगे। कई श्रद्धालुओं के लिए यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वर्षों से मन में संजोई संतान सुख की कामना से जुड़ा विश्वास है। इसी विश्वास के सहारे वे लंबी यात्रा तय कर यहां पहुंचे हैं। रविवार मध्यरात्रि से कुंड में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला शुरू होगा। मान्यता और भावनाओं के बीच श्रद्धालु राधाकुंड के जल में स्नान कर अपनी मनोकामना प्रभु के समक्ष रखेंगे। इस दौरान हर डुबकी के साथ संतान सुख की चाह और परिवार में खुशहाली की प्रार्थना जुड़ी होगी। स्नान पर्व को लेकर प्रशासन की ओर से भी इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने और स्नान के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। आस्था के इस आयोजन में राधाकुंड एक बार फिर देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र बना हुआ है। रात के सन्नाटे में गूंजते भक्ति भाव और मनौती की आस के बीच श्रद्धालुओं की निगाहें मध्यरात्रि के पावन स्नान पर टिकी हैं।


अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राधाकुंड क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए।

एडीजी और एसएसपी ने परखीं सुरक्षा व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। अहोई अष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा ने गोवर्धन स्थित राधाकुंड का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कुंड के प्रवेश और निकास मार्गों सहित आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था देखी। उन्होंने श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित स्नान, यातायात संचालन और भीड़ प्रबंधन को लेकर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष पहुंचकर कैमरों की कार्यशीलता और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद पुलिस बल के साथ गलियारों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल निरीक्षण किया।

राधाकुंड में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। अहोई अष्टमी पर राधाकुंड में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली है। पर्व को सकुशल कराने के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने शनिवार को राधाकुंड में ड्यूटी मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। स्नान को कुंडों पर मजबूत बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती और जल पुलिस की व्यवस्था की गई है। राधाकुंड में परंपरागत रूप से आज मध्य रात को स्नान होगा। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। अधिकारियों ने अधीनस्थ कर्मचारियों से श्रद्धालुओं के साथ शालीन व्यवहार करने और भीड़ प्रबंधन के साथ संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा।

अब जमीन पर बैठकर नहीं पढ़ेंगे आंगनबाड़ी के नौनिहाल



ग्राम पंचायत लाडपुर के गांव नगला ग्यासिया में तैयार आंगनबाडी केंद्र।

फर्श से फर्नीचर तक बदलेगी तस्वीर

जिला कार्यक्रम अधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस पहल का मकसद आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण और प्रारंभिक शिक्षा तक सीमित न रखकर बच्चों के अनुकूल बेहतर माहौल देना है। फर्नीचर उपलब्ध होने से केंद्रों में स्कूल जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। इससे बच्चों के लिए सीखने का माहौल बेहतर होगा और अभिभावकों का भी आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति भरोसा बढ़ेगा।

> सीआरएस फंड से आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए सामग्री उपलब्ध कराने का काम होगा। इसके लिए की गई पहल के सार्थक परिणाम निकले हैं। धनराशि व्यय करने वाली संस्था ही सामग्री की गुणवत्ता और अन्य बातों को देखेंगी। हमारा काम केवल आंगनबाड़ी केंद्रों के नाम उपलब्ध कराना रहा। इससे बच्चों के जीवन में बेहतर बदलाव आएगा।
>
> **डॉ. पूजा गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी।**

2145 केंद्रों में बिछेगी सुविधाओं की नई इबारत

सीएसआर फंड से आएंगी टेबल-कुर्सियां

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने शुरू की पहल

यूनिक समय, मथुरा। कहीं फर्श पर बैठकर अक्षर ज्ञान तो कहीं जमीन पर बैठकर खेलकूद की गतिविधियां... जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों की यह तस्वीर अब बदलने की तैयारी है। केंद्रों पर आने वाले नौनिहालों को अब जमीन पर बैठकर पढ़ने की मजबूरी से निजात मिलेगी। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ. पूजा गुप्ता की पहल पर कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) फंड से जिले के 2145 आंगनबाड़ी केंद्रों में टेबल-कुर्सियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे छोटे बच्चों को बैठने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी और केंद्रों में पढ़ाई का तौर-तरीका भी बदलेगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय ने इसके लिए फर्नीचर की मांग तैयार की है।

प्रस्ताव के अनुसार, बच्चों के लिए 8833 कुर्सियां और 1775 टेबल उपलब्ध कराई जानी हैं। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए 3802 बड़ी कुर्सियां और 1764 बड़ी टेबल की मांग भी भेजी गई है। सीएसआर फंड से इस जरूरत को पूरा करने की तैयारी है।

अभी तक तमाम आंगनबाड़ी केंद्रों पर संसाधनों की कमी के चलते बच्चों को जमीन पर बैठाकर ही पढ़ाई और दूसरी गतिविधियां कराई जाती हैं। छोटे बच्चों के लिए एक साथ बैठना, लिखना और खेल आधारित गतिविधियों में हिस्सा लेना भी आसान नहीं होता।

कार्यकर्ताओं को भी बच्चों को व्यवस्थित तरीके से पढ़ाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। टेबल-कुर्सियां मिलने के बाद बच्चे बैठकर चित्रकारी, अक्षर ज्ञान और अन्य गतिविधियां कर सकेंगे। भोजन के दौरान भी सहूलियत मिलेगी।

180 साल पुराने रंगनाथ मंदिर के गरुड़ स्तंभ पर चढ़ेगी सात किलो सोने की परत

पहली बार होगा 50 फीट ऊंचे स्तंभ का पुनरुद्धार

तीन दिवसीय वैदिक अनुष्ठान के बाद काम शुरू

यूनिक समय, वृंदावन। दक्षिण भारतीय शैली के प्रसिद्ध श्री रंगनाथ मंदिर में स्थापित 50 फीट ऊंचे गरुड़ स्तंभ का मंदिर निर्माण के करीब 180 वर्ष बाद पहली बार पुनरुद्धार किया जाएगा। स्वर्ण स्तंभ के नाम से प्रसिद्ध इस स्तंभ पर लगभग सात किलो सोने की नई परत चढ़ाई जाएगी। इस कार्य से पहले मंदिर में तीन दिवसीय विशेष वैदिक अनुष्ठान बालालयम संपन्न हुआ।

मंदिर का निर्माण करीब 180 वर्ष पूर्व स्वामी रंगदेशिक महाराज ने मथुरा के जैन बंधुओं के आर्थिक सहयोग से कराया था। मंदिर के गर्भगृह के सामने स्थापित गरुड़ स्तंभ को भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ का स्वरूप माना जाता है। खुले स्थान पर होने के कारण स्तंभ का स्वर्ण आवरण कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है। मंदिर के पुजारी राजू स्वामी ने बताया कि दक्षिण भारत के विद्वानों के सान्निध्य में तीन दिन तक पूजा, हवन और लघु ब्रह्मोत्सव कराया गया। अनुष्ठान में स्तंभ की शक्तियों को प्रतीकात्मक छवि में स्थापित किया गया है।

दक्षिण भारत से आए लक्ष्मी नरसिम्हन के नेतृत्व में दस विशेषज्ञ स्तंभ का पुनरुद्धार करेंगे। मंदिर की सीईओ अनघा श्रीनिवासन के अनुसार, कार्य में दो महीने से अधिक समय लगेगा। इसे होली के बाद होने वाले ब्रह्मोत्सव तक पूरा करने का लक्ष्य है।

कल से यातायात माह शुरू, नियम तोड़ने वालों पर रहेगी सख्ती

पुलिस ने रविवार को भी वाहन चलाने वालों को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार से यातायात माह का शुभारंभ होने जा रहा है। एक महीने में ट्रैफिक पुलिस विशेष अभियान को चलाकर जहां यातायात नियमों का पालन कराकर दुर्घटनाओं में कमी लाने का प्रयास करेगी। वहीं यातायात जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता लाने और यातायात को सुचारू तरीके से चलाने का प्रयास करेगी।

कल से शुरू होने वाले यातायात माह की शुरूआत को लेकर ट्रैफिक पुलिस सड़कों पर आ गई है। पुलिस ने वाहन चलाने वालों को ट्रैफिक नियमों का पाठ पढ़ाना शुरू कर दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने आज बिना हेलमेट और बिना सीट बैल्ट लगाए वाहन चलाने वालों पर सख्ती शुरू कर दी है। यही नहीं सड़क पर दो पहिया वाहनों पर तीन सवारियां बिठाकर चलने वालों के भी चालन करने शुरू कर दिए हैं। आज ट्रैफिक पुलिस ने दर्जनों वाहनों के नियम विरुद्ध चलने पर चालान किए। ट्रैफिक पुलिस की अचानक सख्ती देख लोग हैरान नजर आए। यातायात निरीक्षक शौर्य कुमार ने बताया कि मथुरा की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क हादसों में कमी लाने के उद्देश्य से दो नवंबर (कल) से एक माह तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का शुभारंभ धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड से किया जाएगा।



रात में भी आरजीबी लाइट से जगमगाएंगे जंक्शन के कार्यालय

अधिकारियों-कर्मचारियों के कक्षों की दूर से होगी पहचान

तीन भाषाओं में चमकेगा स्टेशन का नाम, बांसुरी पर भी रंगीन रोशनी



यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन की रात की तस्वीर अब बदलने वाली है। स्टेशन परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यालय अब अंधेरे में गुम नहीं होंगे। कार्यालयों के बाहर रंग-बिरंगी आरजीबी लाइट से युक्त डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। वहीं, मुख्य प्रवेश द्वार के भवन पर हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में स्टेशन का नाम रोशनी के साथ प्रदर्शित होगा। ब्रज की पहचान भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी भी रात में रंगीन रोशनी से जगमगाएगी।

अभी तक स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यालयों के बाहर सामान्य नाम पट्टिकाएं लगी हुई हैं। इन पर कार्यालय का नाम और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी का पदनाम अंकित है, लेकिन रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से रात में इन्हें ढूंढना यात्रियों के लिए मुश्किल होता है। कई बार दिन में भी दूर से कार्यालयों की पहचान करना आसान नहीं होता। अब आरजीबी लाइट वाले डिस्प्ले बोर्ड लगने से कार्यालयों के नाम और पदनाम दूर से ही नजर आएंगे।

स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर बने भवन की पहचान भी नए लाइट डिस्प्ले बोर्ड से होगी। पहले यहां हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के नाम वाले बोर्ड लगे थे, जो पुराने होने के कारण हटा दिए गए। अब इनके स्थान पर तीनों भाषाओं में लाइट डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे।

बांसुरी पर भी होगी रंगीन रोशनी

मुख्य प्रवेश द्वार के अंडरपास से निकलते ही सर्कुलेटिंग एरिया में ब्रज की सांस्कृतिक पहचान भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी स्थापित है। दिन में यह आकर्षण का केंद्र रहती है, लेकिन रात में रोशनी नहीं होने से इसकी चमक फीकी पड़ जाती है। अब बांसुरी के आसपास रंगीन लाइटिंग की जाएगी। इससे रात में भी बांसुरी की सुंदरता निखरेगी और स्टेशन परिसर को आकर्षक स्वरूप मिलेगा।

“ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यालयों के बाहर लाइट वाले डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। मुख्य प्रवेश द्वार के भवन पर हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में स्टेशन का नाम प्रदर्शित होगा। सर्कुलेटिंग एरिया में स्थापित बांसुरी के आसपास भी रंगीन लाइटिंग कराई जाएगी।

—सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।

15 नवंबर से आगरा-दिल्ली सवर्ण महापदयात्रा, ललित कुमार बने जिलाध्यक्ष



परशुराम दल का जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर ललित कुमार को मनोनयन पत्र देते पदाधिकारी।

यूजीसी कानून और एससी एसटी एक्ट के विरोध में आगरा से दिल्ली तक निकलेगी यात्रा गंगाधर शर्मा करेंगे नेतृत्व

यूनिक समय, मथुरा। यूजीसी कानून और एससी-एसटी एक्ट के विरोध में परशुराम दल ने 15 नवंबर से आगरा-दिल्ली सवर्ण महापदयात्रा निकालने का ऐलान किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाधर शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तावित यह यात्रा आगरा से शुरू होकर मथुरा होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। संगठन ने महापदयात्रा की तैयारियां शुरू कर दी हैं और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की कवायद की जा रही है।

महापदयात्रा की घोषणा के साथ ही संगठन ने मथुरा में अपनी जिम्मेदारी भी तय की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाधर शमा ने ललित कुमार को परशुराम दल का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए बधाई दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि महापदयात्रा के जरिए यूजीसी कानून और एससी-एसटी एक्ट को लेकर संगठन की आपत्तियों और मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ललित कुमार ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। इस दौरान बीपी रावत, परशुराम दल दिल्ली के पदाधिकारी और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सदियों से उमड़ रही आस्था सरकारी मान्यता का इंतजार

यम द्वितीया मेले को राजकीय दर्जा दिलाने की मुहिम तेज, डीएम ने शासन को भेजा था प्रस्ताव

यूनिक समय, मथुरा। विश्राम घाट पर यम द्वितीया के दिन उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़, सदियों पुरानी परंपरा और देश-दुनिया में पहचान, लेकिन इतना सब होने के बावजूद यम द्वितीया मेला अब तक राजकीय दर्जे से महरूम है। इस उपेक्षा के खिलाफ अब आवाज शासन तक पहुंच गई है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने 22 मई को प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर मेले को राजकीय दर्जा देने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई का अनुरोध किया है।

इस मांग को लेकर 15 अप्रैल को नगर निगम मथुरा-वृंदावन की बोर्ड बैठक में पार्षद नीनू कुंज बिहारी भारद्वाज, राजीव कुमार सिंह, ठा. तेजवीर सिंह, नीरज वशिष्ठ और राधाकृष्ण पाठक सहित अन्य पार्षदों ने आवाज उठाई थी। श्री यमुना महारानी आरती मुकुट मंडल समिति के अध्यक्ष संजय चतुर्वेदी एल्पाइन और महामंत्री शरद चतुर्वेदी की ओर से भेजा गया पत्र भी प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया। अब सनातन तीर्थ विकास ट्रस्ट के संस्थापक गोपाल चतुर्वेदी 'राधाकांत' ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर 11 नवंबर को होने वाले पर्व से पहले राजकीय मेले का दर्जा देने की घोषणा की मांग की है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यम द्वितीया पर यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने विश्राम घाट पहुंचे थे। इसी स्मृति में भाई-बहन यमुना में स्नान करते हैं। इस परंपरा में शामिल होने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं। मांग उठाने वालों का कहना है कि राजकीय दर्जा मिलने से मेले की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सरकारी स्तर पर बेहतर बनाया जा सकेगा। अब निगाहें शासन के फैसले पर टिकी हैं।

गोल्फ कार्ट ने छीनी ई-रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी



सवारियों के इंतजार में खड़े ई- रिक्शा।



मौनू



सुमित

पहले 1000 से 1500 रुपये तक होती थी कमाई, अब 700-800 रुपये भी मुश्किल

चालकों ने एमवीडीए की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बताया रोजगार घटने की वजह

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बढ़ती संख्या ने ई-रिक्शा चालकों के रोजगार का गणित बिगाड़ दिया है। चालकों का कहना है कि पहले दिनभर मेहनत करने पर 1000 से 1500 रुपये तक की कमाई हो जाती थी, लेकिन अब 700 से 800 रुपये जुटाना भी मुश्किल हो रहा है। श्रद्धालुओं से सवारी मिलने में कमी के चलते उनके सामने परिवार का खर्च चलाने का संकट खड़ा हो गया है।

रुक्मिणी बिहार निवासी ई- रिक्शा चालक सुमित ने बताया कि वह पिछले सात-आठ वर्षों से इस काम से जुड़े हैं। इस साल उनके रोजगार पर काफी असर पड़ा है। एमवीडीए की ओर से संचालित इलेक्ट्रिक गाड़ियों के चलते ई- रिक्शा चालकों को सवारियां नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को पुलिसकर्मी नहीं रोकते, जबकि ई-रिक्शा चालकों को रोककर उनके वाहन सीज कर दिए जाते हैं। परिवार में माता-पिता और छोटा भाई हैं। सबसे बड़े होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर है। कमाई घटने से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।

ई- रिक्शा चालक मोनू ने बताया कि वह पिछले छह वर्षों से इसी काम के सहारे परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी ई- रिक्शा चलाने के काम से जुड़े हैं। उनके अनुसार, पहले वृंदावन आने वाले श्रद्धालु मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंचने के लिए ई- रिक्शा की सवारी पसंद करते थे, लेकिन अब परिवहन के नए साधनों के चलते सवारियां कम हो गई हैं। पूरे दिन मेहनत करने के बाद भी पहले जैसी आमदनी नहीं हो पा रही है। चालकों ने रोजगार पर पड़ रहे असर को लेकर चिंता जताई है।

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा बृज में पहली बार
India's Most Advanced
CRRT
(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)
किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में
CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गम्भीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंदकर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थों, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरंतर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किन-किन स्थितियों में मदद करता है?
Kidney Failure
Brain Injury
Sepsis
Poisoning
Liver Failure
Lung Failure
Heart Failure
डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DrNB, Fellow Nephrology, IRRIV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ
Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैशलेस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच.19, मथुरा

अपराध बुलेटिन

राया में दो सड़क हादसों में वृद्ध सहित दो की मौत

यूनिक समय, मथुरा। राया थाना क्षेत्र में अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्ध सहित दो लोगों की मौत हो गई। मथुरा-बरेली एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि राया-सादाबाद मार्ग पर वाहन की टक्कर से घायल युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस एक्सप्रेसवे पर मृत मिले वृद्ध की शिनाख्त कराने में जुटी है। पहली दुर्घटना मथुरा-बरेली एक्सप्रेसवे पर केशवपुर के समीप हुई। यहां से गुजर रहे अज्ञात वृद्ध को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है। दूसरा हादसा राया- सादाबाद मार्ग पर हुआ। यहां पैदल घर जा रहे गांव इटेली निवासी विनय (पुत्र संजय) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल विनय को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बंद मकान से लाखों के जेवर-नकदी चोरी

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के चौमुहां में चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और 60 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। दादरी, चौमुहां निवासी राजेश ने पुलिस को बताया कि वह 12 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे मकान पर ताला लगाकर जरूरी काम से बाहर गए थे। 14 अक्टूबर को दोपहर लौटे तो दरवाजा खुला मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। चोर 13 और 14 अक्टूबर की रात के दौरान घर से जेवर और नकदी चोरी कर ले गए। शिकायत पर जैत पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पत्नी को ले जाने का आरोप, चार लोगों पर मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के परखम गूजर निवासी मुकट ने पत्नी सोनवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मुकट के अनुसार, 28 अक्टूबर को वह रोजाना की तरह मजदूरी करने मथुरा गया था। बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोपहर करीब एक बजे गांव खेड़ली, थाना नगर, जिला डीग राजस्थान निवासी दीपेन्द्र, उसका भाई महेश और रामखिलाड़ी पत्नी सोनवती को लेकर चले गए। आरोप है कि दीपेन्द्र का जीजा मान सिंह भी उनके साथ था। शिकायतकर्ता ने बताया कि दीपेन्द्र पहले भी उसके घर आता-जाता था। उसने पुलिस से पत्नी को बरामद करने और मामले की उचित जांच कराने की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तार और बाइक की नंबर प्लेट चोरी करते दो पकड़े

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में घर से बिजली के तार और मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट चोरी करने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गोविंद नगर निवासी प्रवीण पाल सिंह ने पुलिस को बताया कि 28 अक्टूबर को दो युवक उनके घर में घुसकर बिजली के तार के 15 बंडल और बाइक की नंबर प्लेट चोरी कर ले गए। बाद में दोनों दोबारा घर में घुसे तो उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों की पहचान आकाश और तुषार निवासी मंडी गेट के सामने, राजीव गांधी नगर, कोतवाली मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोडिंग गाड़ी पलटने से युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में एनएच-19 पर आनंदवन के पास लोडिंग गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में गाड़ी सवार युवक की मौत हो गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने 31 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव गदनपुर, पोस्ट बसुंधरा, थाना देहात कोतवाली, जिला एटा निवासी अतुल कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके भाई अरुण कुमार कोसीकलां से लोडिंग गाड़ी में भैंस लादकर घर लौट रहे थे। 25 अक्टूबर की दोपहर दिल्ली से आगरा की ओर जाने वाली लेन में मीरा मगन पैराडाइज के पास चालक ने तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे डिवाइडर में टक्कर मार दी। टक्कर से गाड़ी का पिछला पहिया निकल गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें न्यू प्लस हॉस्पिटल टाउनशिप ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के चश्मदीद शिव वर्मा और रवि कुमार बताए गए हैं।

पुलिस ने तमंचा और कारतूस सहित शातिर आरोपी पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सानू उर्फ शहनवाज (36) निवासी काशीराम कॉलोनी, टाउनशिप थाना रिफाइनरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर की रात करीब 8:10 बजे गोवर्धन नाले के पास परखम से गढ़ी पचौरी की ओर करीब 200 मीटर दूरी पर आरोपी को पकड़ा गया। तलाशी में उसके कब्जे से एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना फरह में मुकदमा संख्या 439/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ मथुरा के विभिन्न थानों में पहले से 12 मुकदमे दर्ज हैं।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह, उपनिरीक्षक अमित चौहान और कांस्टेबल नितिन व विक्की शामिल रहे।

हर दूसरे दिन एक मौत,सितंबर में 15 लोगों ने गंवाई जान

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में आत्महत्या के मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। सितंबर माह के पोस्टमार्टम आंकड़ों के अनुसार, जिले में 15 लोगों ने आत्मघाती कदम उठाकर जान गंवाई। औसतन हर दूसरे दिन एक व्यक्ति की मौत हुई। इनमें 11 लोगों ने फांसी लगाई, जबकि चार की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई।

आज के दौर में मानसिक तनाव लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। युवा हों या महिलाएं, अधेड़ हों या बुजुर्ग, हर उम्र के लोग किसी न किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहे



हैं। घरेलू परिस्थितियां, पारिवारिक विवाद और दूसरी परेशानियां भी कई बार लोगों को निराशा की ओर धकेल देती हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता और समय पर सहयोग की जरूरत बढ़ जाती है।

सितंबर में छाता तहसील के गांव

11 ने फांसी लगाई चार की जहरीला पदार्थ खाने से मौत

मानसिक तनाव और पारिवारिक परिस्थितियां भी बनीं वजह

अगरयाला में दो सगी बहनों की जहरीला पदार्थ खाने से मौत का मामला भी सामने आया था। गेहूं में रखने वाली सल्फास की गोलियां खाने के बाद दोनों बहनों ने दम तोड़ दिया था, जबकि तीसरी बहन उपचार के बाद बच गई थी। इसके अलावा दो अन्य लोगों की भी विषाक्त पदार्थ के सेवन से मौत हुई। आंकड़ों के मुताबिक, फांसी लगाने वालों में महिला और पुरुष दोनों शामिल थे।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले परिवार और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। मानसिक परेशानी से गुजर रहे लोगों की बात सुनना, उन्हें भावनात्मक सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ से परामर्श दिलाना जरूरी है।



बाइक चोर गिरोह का खुलासा दो गिरफ्तार,नौ वाहन बरामद



चोरी के वाहनों के साथ गिरफ्तार आरोपित।

आठ मोटरसाइकिल और एक स्कूटी मिली बोहरे नगर में पीपल के पेड़ के पास दबिश

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी बरामदगी की है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की आठ मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की है। बरामद वाहनों की संख्या नौ है।

पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने पर टीम ने बोहरे नगर में चौबे की बगीची के समीप दीवार के पास पीपल के पेड़ के निकट दबिश दी।

यहां से दो आरोपियों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के बाद उनके छिपाकर रखे गए, स्थान से आठ बाइक और एक स्कूटी बरामद की गई।

बाइक चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। बरसाना पुलिस ने ऊंचागांव गेट से कामा की ओर जाने वाले रास्ते पर वहां से जाते युवक सद्दा उर्फ सद्दाम निवासी गांव हाथिया थाना बरसाना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विपिन कुमार निवासी बाजना, थाना हाईवे और मनीष कुमार निवासी गांव फौजू आका, पोस्ट हैतलपुर, जिला अलीगढ़ के रूप में हुई है। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजीव कुमार, उपनिरीक्षक रविंद्र बाबू, उपनिरीक्षक पवन कुमार सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

शराब दुकान पर ओवररेटिंग पकड़ी, 75 हजार जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। शराब की दुकानों पर ओवररेटिंग की शिकायतों को लेकर आबकारी विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने कोसीकलां के बठैन मोड़ स्थित कंपोजिट मदिरा दुकान पर छापा मारकर निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब बिक्री पकड़ी। कार्रवाई के बाद दुकान के अनुज्ञापी पर 75 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही भविष्य में गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस निलंबित करने की चेतावनी दी गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की शिकायतें फोन और आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से मिल रही थीं। इन शिकायतों का संज्ञान लेकर वह टीम के साथ बठैन मोड़ स्थित दुकान पर पहुंचे। यहां शराब की खरीद कराई गई तो सेल्समैन ने

आबकारी अधिकारी ने ग्राहक बनकर कराई शराब की खरीद, निर्धारित कीमत से अधिक वसूली की पुष्टि

निर्धारित मूल्य से अधिक धनराशि वसूली। जांच में ओवररेटिंग की पुष्टि होने पर अनुज्ञापी को नोटिस जारी कर 75 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

आबकारी अधिकारी ने चेतावनी दी कि दोबारा ओवररेटिंग मिलने पर दुकान का अनुज्ञापन निलंबित करने के साथ विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में ओवररेटिंग और अवैध मदिरा के खिलाफ औचक निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान जारी रहेगा।

छह माह पहले दो बच्चों संग लापता हुई बहू

यूनिक समय, मथुरा। छाता थाना क्षेत्र में दो बच्चों के साथ छह माह पहले लापता हुई महिला के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कालीचरन ने शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी पुत्रवधू सविता 10 जून को शाम करीब तीन बजे अपने दोनों बच्चों प्रियांशु और मधु को लेकर घर से चली गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 23 जुलाई को गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बाद में जानकारी मिली कि धौलीप्याऊ निवासी संजू कुमार शर्मा उनकी पुत्रवधू को बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईवे पर बार के बाहर शराब के नशे में भिड़े दो पक्ष, जमकर मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की कृष्णानगर चौकी क्षेत्र में हाईवे स्थित रूफटॉप रेस्टोरेंट और बार के समीप वाहन टकराने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शराब के नशे में हुए मामूली विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया। दोनों ओर से जमकर लात-घूंसे चले। मारपीट में एक महिला का सिर फूट गया, जबकि कई अन्य लोग चोटिल हो गए। हंगामे से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही झगड़ा करने वाले मौके से भाग निकले।

बताया गया कि रूफटॉप रेस्टोरेंट और बार में आए दो पक्षों के वाहन बाहर निकलते समय आपस में टकरा गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के लोग शराब के

वाहन टकराने को लेकर हुआ विवाद, महिला का सिर फूटा

कई लोग घायल, पुलिस पहुंचने से पहले भागे

नशे में थे। कुछ ही देर में विवाद बढ़ा और दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। झगड़े में एक महिला के सिर में चोट आई, जबकि कई लोग घायल हो गए।

हंगामा देखकर किसी ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही दोनों पक्षों के लोग वहां से निकल गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने देर रात तक संचालित होने वाले रेस्टोरेंट और बार के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

नाबालिग बेटे से मारपीट का आरोप तीन के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में कक्षा आठ के छात्र के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महेंद्र, पालीखेड़ा निवासी विनोद चौधरी ने बताया कि उनका बेटा अनंत चौधरी स्थानीय जयदेव स्कूल में पढ़ता है। आरोप है कि 13 अगस्त को स्कूल में हाथ धोने के दौरान उसका यश नाम के छात्र से विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों पक्षों में रंजिश हो गई। विनोद के अनुसार, उसी दिन शाम करीब चार बजे अनंत नरसिंह विहार चौराहे पर जूस पीने गया था।

वहां यश, उसकी मां, सोनू कुमार और पड़ोसी हेमेंद्र चौधरी ने उसके साथ मारपीट की। पड़ोसी होने के कारण उन्होंने पहले कानूनी कार्रवाई नहीं की, लेकिन बेटे के साथ दोबारा घटना होने की आशंका के चलते अब शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल में वेटर की संदिग्ध हालात में मौत

पोस्टमार्टम गृह पहुंचे परिजनों ने गर्दन और शरीर पर चोटों के निशान दिखाए

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैत क्षेत्र स्थित एक होटल में वेटर के रूप में काम करने वाले 35 वर्षीय रोहित उर्फ नन्हे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पोस्टमार्टम गृह पहुंचे परिजनों ने हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रोहित उर्फ नन्हे पुत्र यतेंद्र निवासी ग्राम गनथरी, जिला हाथरस, जैत क्षेत्र स्थित बृज भूमि होटल में वेटर की नौकरी करता था। उसका परिवार थाना हाईवे क्षेत्र की एटीवी कॉलोनी के समीप रहता है। होटल में उसकी मौत की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पोस्टमार्टम गृह पहुंचे परिजनों का आरोप है कि रोहित की गर्दन पर निशान और शरीर पर चोटें थीं। उनका कहना है कि परिस्थितियां हत्या की आशंका पैदा कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



विधिक शिविर में 285 जरूरतमंदों को मिला योजनाओं का लाभ

यूनिक समय, मथुरा। जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उन्हें न्यायिक सहायता से जोड़ने के उद्देश्य से रविवार को डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में मेगा विधिक सहायता-सेवा शिविर लगाया गया। प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं के माध्यम से 285 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल और श्रवण यंत्र वितरित किए गए, वहीं पात्र लाभार्थियों को आवास की चाबियां भी सौंपी गईं।

शिविर का शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लोगों की समस्याओं का समाधान किया।



विधिक सहायता-सेवा शिविर में दिव्यांग लाभार्थी को ट्राईसाइकिल प्रदान करते न्यायिक अधिकारी।

शिविर में आपदा प्रभावितों, आयुष्मान कार्ड धारकों और मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों को सहायता दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के पात्रों को लाभ, प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और श्रमिकों को श्रम कार्ड वितरित किए गए। पीएम स्वनिधि और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत भी लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन राशि और उपकरण दिए गए, जबकि बेहतर कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

शिविर में जिला कारागार की ओर

दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल और श्रवण यंत्र, पात्रों को आवास की चाबियां

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी सम्मानित

से विशेष स्टॉल लगाई गई, जिसमें बंदियों द्वारा निर्मित पोशाकें, धोती, गमछे और हर्बल गुलाल प्रदर्शित किए गए।

इस अवसर पर अपर जिला जज डॉ. पल्लवी अग्रवाल, संतोष कुमार त्रिपाठी, राजेश पाराशर, अरविंद कुमार यादव, नीलम ढाका, अनुराग शर्मा, विद्या भूषण पांडेय, बृजेश कुमार, एसीजेएम रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह, पीठासीन अधिकारी लाल बहादुर सिंह और नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र सहित न्यायिक, प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। संचालन राहुल अग्रवाल ने किया। सचिव अनीता सिंह ने आभार व्यक्त किया।



पदोन्नति के बाद हड्डी रोग विशेषज्ञ का टोटा, मरीजों की बढ़ेगी मुसीबत

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में हड्डियों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। सीएमएस- हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज अग्रवाल के पदोन्नत होने के बाद हड्डी रोग विभाग में चिकित्सक की कमी गहरा सकती है। वहीं, सेवानिवृत्ति के बाद तीन साल के लिए संविदा पर नियुक्त दूसरे चिकित्सक का कार्यकाल भी जल्द समाप्त होने वाला है। ऐसे में सवाल है कि रोजाना सैकड़ों मरीजों को हड्डी रोग संबंधी उपचार कौन देगा।

जिला अस्पताल की ओपीडी में जोड़ों के दर्द, फ्रैक्चर, चोट, कमर की परेशानी और चलने-फिरने में दिक्कत से जूझ रहे मरीज बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। मरीजों का दबाव इस कदर रहता है कि प्रतिदिन रोगियों की संख्या सैकड़ा पार कर जाती है। ऐसे में विशेषज्ञ चिकित्सक की कमी का सीधा असर उपचार व्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

डॉ. नीरज अग्रवाल सीएमएस की जिम्मेदारी संभालने के साथ हड्डी रोग विशेषज्ञ के रूप में भी सेवाएं दे रहे थे। प्रशासनिक दायित्वों के बीच समय निकालकर वह ओपीडी में मरीजों का परीक्षण करते थे। पदोन्नति के बाद

ओपीडी में रोज उमड़ते हैं सैकड़ों मरीज, संविदा चिकित्सक का कार्यकाल भी जल्द होगा पूरा

नए विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हुई तो इलाज के लिए करना पड़ सकता है इंतजार

उनकी भूमिका में बदलाव से विभाग में चिकित्सकीय सेवाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दूसरी ओर, सेवानिवृत्ति के बाद संविदा पर नियुक्त चिकित्सक का कार्यकाल भी समाप्ति के करीब है। यदि समय रहते नए हड्डी रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हुई तो मरीजों को उपचार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

जिला अस्पताल में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कम खर्च में इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं। विशेषज्ञों की कमी होने पर उन्हें मजबूरन निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ सकता है, जहां इलाज का खर्च उनकी जेब पर भारी पड़ सकता है। ऐसे में अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ की तैनाती मरीजों के लिए जरूरी हो गई है।

25वें वर्ष में पहुंचा श्री ब्रज महोत्सव समिति का कारवां


कार्यक्रम में मौजूद श्री ब्रज महोत्सव समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री ब्रज महोत्सव समिति ने 24 वर्ष का गौरवशाली सफर पूरा कर 25वें वर्ष में प्रवेश का उत्सव धूमधाम से मनाया। सुनरख रोड स्थित चंद्रिका ग्रीन रिजॉर्ट में आयोजित पारिवारिक समारोह 'सफरनामा–2026' में डांडिया, हाउजी और मनोरंजक गतिविधियों ने समां बांध दिया। समिति सदस्यों और उनके परिवारों ने एक-दूसरे को रजत जयंती वर्ष में प्रवेश की बधाई दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मीय

'सफरनामा–2026' में डांडिया हाउजी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

स्वागत और पारिवारिक मिलन के साथ हुआ। हाउजी, पंक्चुअलिटी गेम्स और डांडिया उत्सव में महिला-पुरुषों ने उत्साह से भाग लिया। समिति की महिला शक्ति और पुत्रवधुओं की तैयारियों ने आयोजन में विशेष रंग भरा। रश्मि, कृष्णा, अंजना, नीति, कल्पना, रजनी, अनीता और कुमकुम सहित महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। चाट, स्नैक्स और विभिन्न व्यंजनों के साथ पारिवारिक भोज का भी सभी ने आनंद लिया। समारोह में संस्थापक रासबिहारी लोहे वाले, संरक्षक मुरारीलाल मित्तल, अध्यक्ष दिनेश दीनू, मंत्री कन्हैया लाल मार्बल वाले, राधासरन लोहे वाले, बंशीधर घड़ी, उमेश प्रेस वाले, अनिल प्रेस वाले, सतीशचंद, मुकेश हाथरस, कपिल, विजय महावन, राकेश कंठी, राजेश शरद पायल सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

गोवर्धन चौराहे के नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में गोवर्धन चौराहे के समीप रविवार को नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर तलाशी ली तो उसकी जेब से देशी शराब का पव्वा, एक टमाटर और माचिस मिली। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

रविवार को गोवर्धन चौराहे के पास नाले में शव पड़े होने की सूचना पर हाईवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने शव को नाले से बाहर निकलवाया और तलाशी ली। इसके बाद आसपास मौजूद लोगों से मृतक के बारे में जानकारी जुटाई गई, लेकिन कोई उसकी पहचान नहीं कर सका। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रामलीला में हुआ सुग्रीव मित्रता और बाली वध का भावपूर्ण मंचन


रामलीला में पूजन करते बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार।

यूनिक समय, वृंदावन। रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 14 दिवसीय रामलीला महोत्सव में शनिवार को सुग्रीव मित्रता और बाली वध की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दौरान सुग्रीव के राजतिलक का प्रसंग देखकर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

लीला के अनुसार, बाली के भय से सुग्रीव ऋष्यमूक पर्वत पर रह रहे थे। हनुमान ने उनकी भगवान राम से भेंट कराई। श्रीराम ने बाली का वध कर सुग्रीव को किष्किंधा का राजा बनाने का वचन दिया। वहीं सुग्रीव ने माता सीता की खोज में सहयोग का भरोसा दिलाया। दोनों ने अग्नि को साक्षी मानकर मित्रता की। इसके बाद सुग्रीव ने बाली को युद्ध के लिए ललकारा। दोनों भाइयों के बीच भीषण युद्ध हुआ। इसी दौरान भगवान राम ने पेड़ की ओट से बाण चलाकर बाली का वध कर दिया। मृत्यु से पूर्व बाली ने भगवान राम से तर्क किया, जिस पर श्रीराम ने उन्हें धर्म और कर्म का ज्ञान दिया। बाली ने अपने पुत्र अंगद को श्रीराम के चरणों में सौंप दिया। इसके बाद सुग्रीव का राजतिलक किया गया। इससे पूर्व नवम दिवस की लीला का शुभारंभ ठाकुर बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार और सचिव मुकेश मिश्रा ने श्रीराम दरबार का पूजन–अर्चन कर किया। इस अवसर पर विवेक अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल गयावाले, गोपी गोस्वामी, आलोक बंसल, भीमसेन अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण दीक्षित, अनिल गौतम, आनंद शर्मा, शुभम अग्रवाल, अनमोल गौतम, चंद्रलाल शर्मा और नीरज गौतम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दीपोत्सव की बेला में 41 कवियों ने बांधा काव्य रस का समां

यूनिक समय, मथुरा। दीपोत्सव की उल्लासमयी बेला में ब्रज कला केंद्र की वंदेमातरम् कवि सम्मेलन श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में 41 कवियों ने अपनी रचनाओं से काव्य रस की धारा बहाई। साहित्यिक आयोजन में पुस्तक विमोचन, सम्मान समारोह और काव्यपाठ ने श्रोताओं को देर तक बांधे रखा।

दो चरणों में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सुकवि राधागोविंद पाठक और ब्रज संगीत विद्यापीठ के अध्यक्ष-कुलपति डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' ने की। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर ब्रज कला केंद्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र शर्मा, ब्रजधाम के उपाध्यक्ष दीपक गोयल, संयुक्त मंत्री राजेन्द्र हाथी वाले, मफतलाल अग्रवाल और आकाशवाणी के देवेन्द्र सारस्वत मौजूद रहे।



पुस्तक का विमोचन करते साहित्यकार और कविगण।

समारोह का मुख्य आकर्षण ब्रज के कवियों की परिचय पुस्तक 'बधाई है बधाई' का विमोचन रहा। इसके साथ सुकवि दरयाब सिंह राजपूत की पुस्तक 'ब्रजकण–पदावली' का भी विमोचन किया गया। काका हाथरसी स्मृति सम्मान डॉ. राजेन्द्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक', रामनारायण अग्रवाल भैय्याजी स्मृति सम्मान मफतलाल अग्रवाल और कन्हैयालाल गौतम स्मृति सम्मान देवेन्द्र सारस्वत को प्रदान किया गया। आशुकवि अनिल बौहरे को 75वें अमृत जन्मोत्सव पर सम्मानित कर बधाई दी

'बधाई है बधाई' पुस्तक का विमोचन, तीन साहित्यकारों को स्मृति सम्मान, आशुकवि अनिल बौहरे का 75वें जन्मोत्सव पर अभिनंदन

गई। स्व. जगदीश मित्तल के काव्य मंच के लिए किए गए योगदान को भी याद किया गया। काव्यपाठ करने वालों में रेणु उपाध्याय, डॉ. नीतू गोस्वामी, संगीता शर्मा, गंगारानी चतुर्वेदी, संगीता चौहान, ममता सौनी, अनन्या गौतम, लवली, वीना चौधरी, रामेन्द्र सिंह ब्रजवासी, मोहनलाल मोही, अटल राम चतुर्वेदी, डॉ. अजीव अंजुम, हरीबाबू ओम, गोपाल चतुर्वेदी, अक्षय चतुर्वेदी, डॉ. शिवचरण लाल, मनोज भट्ट, पीयूष सिंह, सोहनलाल शीतल, देवी प्रसाद गौड़, गाफलि स्वामी, योगेश कुमार शर्मा बेखुद, मदन मोहन अरविंद, सत्य प्रकाश शर्मा, डॉ. रामदेव शर्मा राही, मूलचंद निर्मल, प्रभूदत्त उपाध्याय, सुभाषचंद्र गुप्ता मुसाफिर, रवि प्रकाश भारद्वाज, सतीश दीक्षित, दरयाब सिंह राजपूत ब्रजकण, डॉ. अमर सिंह सैनी, सचिन अग्रवाल, जितेन्द्र सिंह विमल, रूपेश धनगर, उदय वीर सिंह उदय, राहुल ब्रजवासी, धनंजय तिवारी और धर्मराज शामिल रहे। संचालन आशुकवि अनिल बौहरे ने किया।

व्यवस्था प्रबंधन में राजेन्द्र कुमार हाथीवाले की भूमिका रही।

9624 अभ्यर्थियों ने छोड़ी पीईटी परीक्षा



प्रेम देवी अग्रवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज परीक्षा देकर निकलते विद्यार्थी।



जंक्शन पर चेकिंग करते बम निरोधी दस्ते के जवान।

33 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, पहली पाली में 4853 और दूसरी में 4771 रहे अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) का तीसरा और अंतिम चरण रविवार को जिले के 33 केंद्रों पर संपन्न हो गया। परीक्षा में शामिल होने के लिए सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भीड़ जुटने लगी। कोई परीक्षा से पहले किताबों के पन्ने पलटता नजर आया तो कोई दोस्तों के साथ महत्वपूर्ण सवालों पर चर्चा करता दिखा। केंद्रों के बाहर सुबह से दोपहर तक परीक्षार्थियों की आवाजाही बनी रही।

रविवार को परीक्षा दो पालियों में कराई गई। दोनों पालियों में कुल 18,648 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था थी, लेकिन 9,624 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली में 9,283 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी। इनमें से 4,853 अनुपस्थित रहे, जबकि 4,430 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में 9,365 अभ्यर्थियों में से 4,771 परीक्षा देने नहीं पहुंचे। इस पाली में 4,594 अभ्यर्थी शामिल हुए।

परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की जांच की गई। निर्धारित समय पर केंद्रों के गेट बंद होने से पहले परीक्षार्थी प्रवेश के लिए पहुंचते रहे। तीसरे चरण की परीक्षा के साथ ही जिले में पीईटी का आयोजन पूरा हो गया।

नाश्ते की दुकानों पर टूट पड़े अभ्यर्थी

यूनिक समय, मथुरा। पीईटी का पेपर खत्म होते ही रविवार को शहर की सड़कों और बाजारों में अभ्यर्थियों का हुजूम उमड़ पड़ा। परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले हजारों युवाओं ने भूख–प्यास मिटाने के लिए खानपान की दुकानों का रुख किया तो समोसे–कचौड़ी से लेकर चाय और पानी तक के लिए भीड़ लग गई। हालात यह रहे कि कई दुकानों पर कुछ ही देर में सामान कम पड़ गया। दुकानदारों को दोबारा नाश्ते की व्यवस्था करनी पड़ी। भीड़ का असर सड़कों पर भी दिखा और कई चौराहों पर वाहनों की रफ्तार थम गई।

होलीगेट, स्टेट बैंक चौराहा, बस स्टैंड और प्रमुख बाजारों में खानपान की दुकानों पर सबसे ज्यादा गहमागहमी रही। कोई समोसे-कचौड़ी का स्वाद लेता दिखा तो कोई चाय और पानी की तलाश में दुकानों पर पहुंचा।

दुकानों के बाहर जुटी भीड़ के चलते कई स्थानों पर जाम के हालात बन गए। कानपुर से आए राहुल ने बताया कि परीक्षा के बाद काफी भूख लगी थी। समोसे–कचौड़ी की दुकानों पर भारी भीड़ मिली। झांसी के अमित ने बताया कि दोस्तों के साथ नाश्ता करने निकले तो दुकानों पर पहले से ही लंबी कतारें थीं। कई जगह खाने-पीने का सामान भी कम पड़ गया।

किसी के चेहरे पर मुस्कान, किसी के माथे पर चिंता



मिथुन कुमार आकांक्षा हिमांशु लक्ष्मी मानसी सचिन

यूनिक समय, मथुरा। परीक्षा केंद्रों के गेट खुले तो किसी के चेहरे पर मुस्कान थी तो कोई सवालों के जवाब याद कर अपना आकलन करने में जुटा था। किसी को प्रश्नपत्र उम्मीद से आसान लगा तो किसी के लिए हिंदी और सामान्य ज्ञान के सवाल उलझन बने। रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के द्वितीय चरण की पहली पाली समाप्त होने के बाद केंद्रों के बाहर ऐसा ही नजारा देखने को मिला। प्रेम देवी बालिका इंटर कॉलेज समेत अन्य केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थी अपने-अपने अनुभव साझा करते नजर आए।

कानपुर के मिथुन कुमार ने बताया कि प्रश्नपत्र उम्मीद से सरल रहा। अधिकांश सवाल सीधे और समझने में आसान थे, हालांकि सामान्य ज्ञान के कुछ प्रश्नों ने जरूर सोचने पर मजबूर किया।

मैनपुरी की आकांक्षा के मुताबिक, पेपर उनकी तैयारी से थोड़ा अलग था। कुछ सवालों के सही विकल्प तक पहुंचने में समय लगा, लेकिन पूरा प्रश्नपत्र कठिन नहीं था।

कानपुर के हिमांशु सोनकर ने बताया कि पेपर उनकी उम्मीद से भी बेहतर रहा। अधिकतर सवाल आसानी से हल हो गए। मैनपुरी की लक्ष्मी ने कहा कि सामान्य ज्ञान में वर्ष 2025 से जुड़े सवाल अधिक पूछे गए। उन्हें उम्मीद थी कि अलग-अलग वर्षों से प्रश्न आएंगे।

मैनपुरी की मानसी ने बताया कि उन्होंने खास तैयारी नहीं की थी, इसके बावजूद पेपर अच्छा रहा और कई सवाल आसानी से हल कर लिए।

वहीं झांसी के सचिन कुमार ने कहा कि परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें कठिन पेपर की आशंका थी, लेकिन प्रश्नपत्र काफी सरल निकला।

पीईटी की पहली पाली का पेपर देकर निकले अभ्यर्थियों ने साझा किए अनुभव, किसी को आसान तो किसी को उलझाऊ लगे सवाल

अंतिम दिन जंक्शन पर सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के अंतिम दिन जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। परीक्षा समाप्त होने के बाद घर लौटने वाले परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क नजर आईं। परीक्षार्थियों की सुविधा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तय समय के अनुसार जंक्शन से तीन स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया।

स्टेशन पर परीक्षार्थियों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवान मुस्तैद रहे। जवानों ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और प्रवेश-निकास द्वारों पर निगरानी रखी, ताकि भीड़ के कारण किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

परीक्षार्थियों की भीड़ संभालने को आरपीएफ जीआरपी रही मुस्तैद, तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं

वहीं सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए बम निरोधी दस्ते ने भी जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन परिसर और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न स्थानों की जांच की गई। तीन स्पेशल ट्रेनों के संचालन से परीक्षार्थियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में राहत मिली।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि परीक्षार्थियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए पूर्व से ही सभी सुरक्षा इंतजाम पूरे कर लिए गए थे। वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। परीक्षार्थियों के आराम और भीड़ नियंत्रण के लिए होल्डिंग एरिया बनाया गया था। साथी ही तीन स्पेशल ट्रेनों का संचालन परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए किया गया।

अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज ने उतारीं 35 अतिरिक्त बसें

यूनिक समय, मथुरा। पीईटी अभ्यर्थियों की भीड़ ने रोडवेज बसों की रफ्तार बढ़ा दी। परीक्षा देने दूसरे जिलों से मथुरा पहुंचे युवाओं की घर वापसी के लिए रोडवेज ने करीब 35 अतिरिक्त बसों का संचालन किया। कानपुर, मैनपुरी, नोएडा और गाजियाबाद जैसे प्रमुख मार्गों पर बसों की संख्या बढ़ाई गई। शहर के स्थानीय मार्गों पर भी अतिरिक्त बसें चलाई गईं, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने और वापस लौटने में परेशानी न हो। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) का तृतीय चरण रविवार को आयोजित हुआ। शनिवार से ही दूसरे जिलों के अभ्यर्थियों का मथुरा पहुंचना शुरू हो गया था। रविवार सुबह बस स्टैंड पर परीक्षार्थियों की आवाजाही बनी रही। परीक्षा समाप्त होने के बाद घर लौटने के लिए भी बसों की मांग बढ़ गई। एआरएम विवेक अहिरवार ने बताया कि अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए करीब 35 अतिरिक्त बसें लगाई गईं।

कानपुर मार्ग पर 10, मैनपुरी मार्ग पर छह, नोएडा मार्ग पर छह और गाजियाबाद मार्ग पर छह बसें चलाई गईं। शेष बसों को अन्य जरूरत वाले मार्गों पर लगाया गया। स्थानीय मार्गों पर भी बसों की व्यवस्था की गई, जिससे अभ्यर्थी समय से परीक्षा केंद्रों तक पहुंच सकें और परीक्षा के बाद आसानी से अपने गंतव्य तक लौट सकें।

वोट बचाओ देश बचाओ रैली में दिल्ली पहुंचे मथुरा के कांग्रेसी

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ देश बचाओ महारैली में जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री श्याम सुंदर शर्मा के नेतृत्व में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। रैली में शामिल कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा बेहद जरूरी है। संविधान की मूल भावना की रक्षा करना और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

रैली में भाग लेने वालों में कुंवर सिंह निषाद, आदित्य तिवारी, मनोज गौड़, उमेश शर्मा, केके गौतम, हाकिम सिंह छोकर, पंकज चौधरी, राजा गौतम, पूर्व अध्यक्ष शहर कांग्रेस उमेश शर्मा, शिवदत्त चतुर्वेदी, मनोज गौड़, विपुल पाठक, सुरेश, शिवकुमार गौतम बंटी, गौरव, बृजेश शर्मा डब्बन, निशांत शर्मा, रिंकी, शैलेंद्र चौधरी, हरदेव सिंह, रमेश कश्यप, अबरार पार्षद, विपुल पाठक, प्रवीण ठाकुर, संदीप चौधरी, करण निषाद, आसिफ कुरैशी, सरवन अहमद, मोनू चौधरी, विपिन चौधरी, अक्षय कांत पाठक, आबाद मोहम्मद, बालवीर प्रधान, टिंकू धनगर, दीपक अग्रवाल, आदेश उपाध्याय, दीपक दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह प्रधान, अमित दीक्षित, धीरज शर्मा, योगेश सिसोदिया, लक्ष्मी नारायण धनगर, मोनू चौधरी, अनिल खरे, सोनम त्रिपाठी, सोनिया ठाकुर, रजनी राजपूत, रूपा लवानिया, महेश चौबे, प्रमोद कुमार, गीता दिवाकर, अजीम शाह, बृज बिहारी सारस्वत, गौरव सिंह, शिवकुमार गौतम, बंटी, अशोक निषाद, गंगा शरण दीक्षित, राजेश कुमार, दिलशाद खान और सुरेश शर्मा, आदि शामिल रहे।

लाठी–डंडों और ईंटों से हमला, चार नामजद

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र की राधेश्याम कॉलोनी, जयसिंहपुरा में बुजुर्ग दंपती और उनके परिचित के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। दिनेश कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि 29 अक्टूबर की रात पड़ोस में रहने वाले वेदप्रकाश, मोहित, रोहित और गोविन्दा ने एकजुट होकर उनके बुजुर्ग माता-पिता और मित्र हरिश्चन्द्र पर हमला कर दिया। आरोप है कि चारों ने लाठी–डंडों और ईंटों से प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

साहित्यकार संतोष कुमार सिंह जबलपुर में सम्मानित

छंद विधा में सृजन के लिए मिला 'आशुतोष तिवारी युवा कवि स्मृति सम्मान'

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के वरिष्ठ साहित्यकार इंजीनियर संतोष कुमार सिंह को जबलपुर में आयोजित समारोह में 'आशुतोष तिवारी युवा कवि स्मृति सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान छंद विधा में उत्कृष्ट साहित्य सृजन के लिए प्रदान किया गया।

जबलपुर की सुविख्यात साहित्यिक संस्था कादम्बरी की ओर से शहीद स्मारक स्थित सेठ गोविंददास सभागार में अलंकरण-सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 129 साहित्यकारों को उनकी श्रेष्ठ पुस्तकों और साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संतोष कुमार सिंह को शॉल, स्मृति चिह्न, रुद्राक्ष माला, सम्मान पत्र



साहित्यिक संस्था कादम्बरी के मंच पर साहित्यकार संतोष कुमार को सम्मानित करते आयोजक।

और पांच हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। संतोष कुमार सिंह को सम्मान मिलने पर मथुरा के साहित्य जगत में हर्ष है। समारोह में देशभर से करीब 250 साहित्यकार, पत्रकार और उनके परिजन उपस्थित रहे। अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे ने की, जबकि संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' ने किया।

जगदीश के बल्ले से निकला तूफान, बलदेव ने 10 विकेट से रौंदा

यूनिक समय, मथुरा। एकता कॉरपोरेट प्रीमियर लीग में ब्लॉक-11 बलदेव ने वृंदावन सुपर किंग्स को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। जीत के हीरो रहे जगदीश अग्रवाल ने महज 45 गेंदों पर नाबाद 114 रन ठोककर मैदान पर चौके–छक्कों की बरसात कर दी। उनका साथ देते हुए विनीत चौधरी ने भी 32 गेंदों पर नाबाद 58 रन की पारी खेली। दोनों ने बिना विकेट गंवाए 12.5 ओवर में ही टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया।

इससे पहले वृंदावन सुपर किंग्स ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 174 रन बनाए। टीम की ओर से किशनु प्रधान ने 43 और ऋषभ शर्मा ने 31 रन का योगदान दिया।



प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड जगदीश अग्रवाल को देते अनिल आहूजा, डॉक्टर संदीप चौधरी।

ब्लॉक-11 बलदेव की ओर से मंटू चौधरी ने चार और बांके बिहारी सारस्वत ने तीन विकेट चटकाए।

175 रन के लक्ष्य का पीछा करने

45 गेंदों पर जड़ा नाबाद शतक, बनाए 114 रन

12.5 ओवर में हासिल किया 175 रन का लक्ष्य

उतरी बलदेव की सलामी जोड़ी ने विपक्षी गेंदबाजों को टिकने नहीं दिया। जगदीश ने अपनी आतिशी पारी में 12 चौके और आठ छक्के लगाए। वहीं विनीत ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए उनका साथ निभाया। दोनों के बीच हुई अविजित साझेदारी के दम पर बलदेव ने मुकाबला एकतरफा कर दिया। शानदार शतक के लिए जगदीश अग्रवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

सरकारी आवास बने खतरे का घर, दरारों के साये में जिंदगी

यूनिक समय, बाजना। नगर पंचायत के सरकारी आवासों में रहने वाले परिवारों की जिंदगी अब खतरे के साये में गुजर रही है। भवनों की दीवारों और छतों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। जगह-जगह से प्लास्टर उखड़ रहा है और मकान खंडहर में तब्दील होते जा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि परिवारों को हर वक्त छत या दीवार ढहने का डर सताता रहता है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।


जर्जर होते सरकारी आवास, जिनका प्लास्टर उखड़ चुका है।

रहवासियों के मुताबिक, इन सरकारी आवासों में कई परिवार करीब सात साल से रह रहे हैं। इतने लंबे समय में भवनों की मरम्मत और रखरखाव नहीं कराया गया। जर्जर छतों और दरकती दीवारों के बीच परिवार बच्चों सहित रहने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि रात में सोते समय भी डर बना रहता है कि कहीं छत भरभराकर न गिर पड़े। बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। उनका आरोप है कि कई बार परेशानी के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात जानने की जहमत नहीं उठाई। लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि सरकारी आवासों में रहने के बावजूद उन्हें सुरक्षित छत तक नसीब नहीं हो रही। क्षेत्र के नागरिकों और पीड़ित परिवारों ने जिला प्रशासन तथा नगर पंचायत के अधिकारियों से जर्जर भवनों का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आवासों की मरम्मत संभव न हो तो नए भवन बनवाए जाएं या परिवारों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की व्यवस्था की जाए। जर्जर आवासों में रहने वाले सविता, अंजली, कमलेश, पवन, पूनम, रजनी, सुनीता, जीतू, नरेश और नीलम सहित अन्य लोगों ने अपना दर्द बयां करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सात साल से जर्जर भवनों में रह रहे परिवार

छत-दीवारें कभी भी ढहा सकती हैं

मरम्मत और सुरक्षित पुनर्वास की मांग

बगल के कमरे में सोती रही पत्नी घर से लाखों के जेवर-नगदी पार

यूनिक समय, कोसीकलां। कमला नगर में चोरों ने बेखौफ होकर एक मकान को निशाना बनाया। घर के बगल वाले कमरे में पत्नी सोती रही और चोर दूसरे कमरे में रखी गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और 50 हजार रुपये की नकदी समेट ले गए। सुबह जागने पर कमरे का दरवाजा खुला और सामान बिखरा देख महिला के होश उड़ गए। घटना से इलाके में दहशत है।


चोरी के बाद कमरे में बिखरा पड़ा सामान।

कमला नगर निवासी अजीत ने बताया कि वह ड्यूटी पर गया हुआ था। उसकी पत्नी घर के एक कमरे में सो रही थी, जबकि मां सुबह करीब चार बजे मंदिर चली गई थीं। छोटी साली भी अपने पुत्र के साथ बरसाना दर्शन करने गई हुई थी। घर में लोगों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर अज्ञात चोर अंदर घुस आए। उन्होंने दूसरे कमरे में रखी गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी छह जोड़ी चांदी की तोड़ियां, मंगलसूत्र, बच्चों के सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए।

सुबह जागने पर पत्नी ने दूसरे कमरे का दरवाजा खुला और सामान बिखरा देखा तो शोर मचा दिया। आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर कोसीकलां पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस चोरों का सुराग लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर उड़ाए आभूषण और 50 हजार रुपये, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

कोसीकलां में अग्र वाटिका के सामने सजेगा पटाखा बाजार

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर पटाखा बाजार कहां लगेगा, इसे लेकर व्यापारियों और लोगों के बीच बनी असमंजस की स्थिति दूर हो गई है। प्रशासन ने इस बार भी पुराने स्थान पर ही अस्थाई पटाखा बाजार लगाने का फैसला किया है। शनिवार देर शाम एसडीएम अखिलेश कुमार ने टीम के साथ मौके का निरीक्षण कर अग्र वाटिका के सामने हाईवे किनारे बाजार लगाने की जगह तय कर दी।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने यातायात व्यवस्था, सुरक्षा मानकों और खरीदारों की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुकानें हाईवे से उचित दूरी पर लगाई जाएं, ताकि दीपावली पर खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भीड़ के चलते जाम न लगे। दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी रखने के साथ प्रत्येक दुकान पर बालू, पानी और अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था अनिवार्य करने को कहा।

एसडीएम ने पटाखा कारोबारियों को चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बिना वैध लाइसेंस पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और अवैध रूप से रखा गया माल जब्त किया जाएगा। प्रशासन की ओर से स्थान तय किए जाने के बाद पटाखा कारोबारियों ने अस्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण

संतान की सलामती को माताओं ने रखा अहोई अष्टमी का निर्जला व्रत

यूनिक समय, कोसीकलां। संतान की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और मंगलमय भविष्य की कामना को लेकर माताओं ने रविवार को अहोई अष्टमी का निर्जला व्रत रखा। दिनभर बिना अन्न-जल ग्रहण किए माताओं ने अहोई माता की पूजा-अर्चना कर संतान की सलामती की प्रार्थना की। पर्व को लेकर नगर में सुबह से ही भक्तिमय माहौल रहा।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर घरों में अहोई माता की पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाओं ने दीवारों पर गेरू और रंगों से अहोई माता, स्याहू और उनके सात पुत्रों के चित्र बनाए। चावल, रोली, दूध और फूलों से विधि-विधान के साथ पूजन किया। शाम को तारों की छांव में महिलाओं ने एकत्र होकर पंडितों के मुख से अहोई माता की व्रत कथा सुनी और संतान की खुशहाली की कामना की। मान्यता है कि अहोई माता के व्रत से संतान पर आने वाले संकट दूर होते हैं और उसकी रक्षा होती है। दिनभर नगर के प्रमुख मंदिरों में महिलाओं की भीड़ रही। शाम को बाजारों में भी रौनक दिखाई दी। पूजा सामग्री, मिट्टी से बनी अहोई माता की मूर्तियों और बच्चों के खिलौनों की दुकानों पर खरीदारी के लिए महिलाएं पहुंचीं।

अहोई माता की पूजा अर्चना कर सुनी व्रत कथा, मंदिरों में उमड़ी महिलाओं की भीड़

अग्रसेन धर्मशाला को मिली इंटरलॉकिंग की सौगात


इंटरलॉकिंग लोकार्पण के अवसर पर मौजूद विधायक राजेश चौधरी आदि।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित अग्रसेन धर्मशाला में कराए गए इंटरलॉकिंग कार्य का मांट विधायक राजेश चौधरी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर अग्रवाल समाज के लोगों ने खुशी जाहिर की।

व्यापार मंडल अध्यक्ष बांके लाल गर्ग ने बताया कि धर्मशाला में इंटरलॉकिंग कराने की मांग समाज के लोग काफी समय से उठा रहे थे। मांट विधायक राजेश चौधरी ने समस्या का संज्ञान लेकर कार्य पूरा कराने की पहल की।

इससे धर्मशाला में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष बांके लाल गर्ग, प्रवीण गर्ग सहित अग्रवाल समाज शेरगढ़ के अनेक लोग मौजूद रहे।

विधायक राजेश चौधरी ने फीता काटकर किया कार्य का शुभारंभ

रामलीला मैदान में नरेंद्र कुमार ने समर्थकों संग भरी हुंकार

यूनिक समय, कोसीकलां। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में कोसीकलां नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन-वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेंद्र कुमार ने सैकड़ों समर्थकों के साथ पहुंचकर अपनी ताकत दिखाई। कोसीकलां से कार्यकर्ताओं के काफिले के साथ दिल्ली पहुंचे नरेंद्र कुमार इंडिया गठबंधन के मार्च में शामिल हुए। समर्थकों के हाथों में कांग्रेस के झंडे और बैनर थे। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया।

ई-रिक्शा की टक्कर से महिला घायल, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। फरह थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा की टक्कर से जनगणना संबंधी कार्य के लिए मथुरा आई महिला गंभीर घायल हो गई। महिला के पति विजय झा निवासी मकान नंबर 213, महापुरम, इंदिरा नगर, लखनऊ ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी फरह में कार्यरत हैं। 30 अक्टूबर को वह मथुरा में जनगणना संबंधी कार्य के लिए आई थीं। इसी दौरान अज्ञात ई-रिक्शा चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि


पुण्यतिथि पर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसजन।

यूनिक समय, कोसीकलां। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए गए। कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को नमन किया।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष विपिन कुमार त्यागी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्हें आयरन लेडी के नाम से जाना जाता है। उनके कई ऐतिहासिक फैसलों का देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जमील रौनक ने कहा कि इंदिरा गांधी ने गरीबों, किसानों और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं शुरू कीं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिली।

इस मौके पर रामवीर चौधरी, बेनामी प्रधान, कालूराम, श्याम बिहारी पालीवाल, सोहनलाल मास्टर, सुनील जैन, विमलचंद जैन, अनुराधा वशिष्ठ, अवतार, महेश महावर, डॉ. जीवनलाल, यज्ञदत्त शर्मा, राजकुमार कर्दम सहित दर्जनभर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यालय पर हुई सभा, चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा

विश्व पटल पर चमकी ब्रज की बेटी, नीलम का शाही स्वागत

यूनिक समय, कोसीकलां। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर लौटीं ब्रज की बेटी नीलम सिरोही के स्वागत में रविवार को कोसीकलां उमड़ पड़ा। यूपी-हरियाणा बॉर्डर से लेकर नगर के भगवती मंदिर तक जगह-जगह उनका जोरदार अभिनंदन हुआ। ढोल-नगाड़े गूंजे, फूल बरसे और चांदी का मुकुट पहनाकर विश्व पदक विजेता का मान बढ़ाया गया। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों का सीना गर्व से चौड़ा नजर आया।


स्वागत के दौरान रजत विजेता नीलम और उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के पदाधिकारी आदि।

कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के 50 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर नीलम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर ब्रज का नाम रोशन किया है। रविवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद वह यूपी-हरियाणा बॉर्डर आईं। यहां उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय अपनी टीम के साथ उनके स्वागत के लिए मौजूद रहे। कमल किशोर ने नीलम को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इसके बाद नीलम तांगड़ा मोहल्ला स्थित मां राजेश्वरी भगवती मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने विधि-विधान से दुग्धाभिषेक कर मां भगवती का आशीर्वाद लिया और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। नीलम ने भावुक होकर कहा कि यह रजत पदक सिर्फ उनका नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों, माता-पिता के त्याग और मां भगवती के आशीर्वाद को दिया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि बाजना क्षेत्र के छोटे से गांव अरौटी की बेटी ने विश्व पटल पर ब्रज का गौरव बढ़ाया है।

इस मौके पर जिला कुश्ती संघ के महासचिव जनार्दन सिंह पहलवान, अजय कुमार वार्ष्णेय, विष्णु शर्मा, कन्हैयालाल गोयल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन, दीपक बडगूजर, सभासद विनय उपाध्याय, राजू रुहेला, अन्नू वैद्य, अजयपाल ठाकुर, हरेंद्र कुमार, रुचि सांगवान, भगवत श्रृंगारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

रजत पदक लेकर लौटीं पहलवान को कमल किशोर वार्ष्णेय ने पहनाया चांदी का मुकुट

सुविचार

खेतों में पसीना बहाकर किसान पूरे देश का पेट भरता है।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	02:52-01:11 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	आश्लेषा	04:30-03:46 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:30 AM	चन्द्रोदय	12:45 PM	
सूर्यास्त		5:35 PM	चंद्रास्त	01:20 AM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	मिथुन राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:47-05:38	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		07:53 AM: 09:16 AM	वार	सोमवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नवंबर में दिखेंगे आस्था के रंग,दीपावली से देव दीपावली तक उत्सव की बहार



यूनिक समय, मथुरा। नवंबर का महीना व्रत और त्योहारों के लिहाज से बेहद खास रहने वाला है। इस महीने दीपावली, छठ पूजा, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और देव दीपावली जैसे प्रमुख पर्व मनाए जाएंगे। इसके साथ ही कई धार्मिक व्रत और उत्सव भी होंगे। महीने की शुरुआत अहोई अष्टमी और राधाकुंड स्नान से होगी, जबकि समापन कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के साथ होगा। आइए जानते हैं नवंबर में कब कौन सा व्रत और त्योहार मनाया जाएगा।

दीपावली, गोवर्धन पूजा और छठ पर्व की रहेगी रौनक

देवउठनी एकादशी से शुरू होंगे मांगलिक कार्यों के शुभ दिन

नवंबर में धार्मिक आयोजनों की शुरुआत होगी। 5 नवंबर को रमा एकादशी और गोवत्स द्वादशी मनाई जाएगी। 6 नवंबर को धनतेरस और शुक्र प्रदोष व्रत रहेगा, जबकि 7 नवंबर को काली चौदस और मासिक शिवरात्रि के पर्व होंगे। 8 नवंबर को नरक चतुर्दशी, छोटी दीपावली और दीपावली पर लक्ष्मी पूजन किया जाएगा। इसके बाद 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 11 नवंबर को भाई दूज एवं यम द्वितीया का पर्व मनाया जाएगा।

छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय–खाय से होगी। 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का पारण होगा। इसके बाद 17 नवंबर को गोपाष्टमी और 18 नवंबर को आमलकी एवं अक्षय नवमी मनाई जाएगी। 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी और 21 नवंबर को तुलसी विवाह का आयोजन होगा। वहीं 23 नवंबर को वैकुण्ठ चतुर्दशी तथा 24 नवंबर को देव दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक जयंती के साथ महीने के प्रमुख धार्मिक पर्वों का समापन होगा।

दीपावली 8 नवंबर को मनाई जाएगी। इसके बाद गोवर्धन पूजा और भाई दूज का पर्व होगा। वहीं 13 से 16 नवंबर तक चार दिनों में छठ पूजा की विभिन्न परंपराएं निभाई जाएंगी। व्रती नहाय–खाय से शुरुआत कर खरना करेंगे और फिर अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे।

20 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। इसके बाद मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। 21 नवंबर को तुलसी विवाह और 24 नवंबर को देव दीपावली तथा कार्तिक पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

अलमारी की गलत दिशा बिगाड़ सकती है घर का वास्तु



दक्षिण–पश्चिम दिशा में अलमारी रखना माना जाता है शुभ

शीशे से लेकर रंग तक वास्तु में बताए नियम

यूनिक समय, मथुरा। घर में रखी अलमारी केवल सामान और कीमती वस्तुएं रखने का स्थान नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे धन–समृद्धि से भी जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि अलमारी की गलत दिशा घर की सुख–शांति और सकारात्मकता को प्रभावित कर सकती है। फरीदाबाद के सेक्टर–62 स्थित सनातन धर्म मंदिर के ज्योतिषाचार्य पंडित तरसेम शास्त्री ने अलमारी रखने के कुछ खास नियम बताए हैं।

पंडित तरसेम शास्त्री के अनुसार, घर में अलमारी रखने के लिए दक्षिण और पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। दक्षिण–पश्चिम हिस्से में भी इसे रखा जा सकता है। अलमारी का दरवाजा उत्तर दिशा की ओर खुलना शुभ माना जाता है, क्योंकि उत्तर दिशा को भगवान कुबेर की दिशा कहा जाता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, अलमारी में लगे शीशे को कपड़े से ढककर रखना चाहिए। अलमारी में एक छोटा चांदी का टुकड़ा रखना भी शुभ माना जाता है।

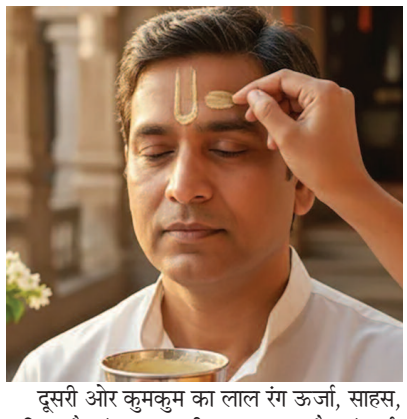
क्रीम, हल्का पीला जैसे रंगों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अलमारी को साफ–सुथरा और व्यवस्थित रखें। उसमें अनुपयोगी सामान जमा न होने दें। साथ ही अलमारी को दीवार से बिल्कुल सटाकर रखने के बजाय थोड़ी जगह छोड़नी चाहिए।

मान्यता है कि इन नियमों से घर में सकारात्मक वातावरण और समृद्धि बनी रहती है।

माथे पर चंदन या कुमकुम, दोनों तिलकों का अलग महत्व

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में माथे पर तिलक लगाने की परंपरा सदियों पुरानी है। पूजा–पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में चंदन और कुमकुम का विशेष महत्व माना जाता है। हालांकि दोनों तिलक देखने में अलग होने के साथ अपने भीतर अलग धार्मिक मान्यताएं भी रखते हैं। चंदन जहां शीतलता और मानसिक शांति का प्रतीक है, वहीं कुमकुम को शक्ति, ऊर्जा और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और भगवान राम की पूजा में चंदन का तिलक लगाना शुभ माना जाता है। चंदन को पवित्रता, सात्विकता और शांति का प्रतीक माना गया है। वैष्णव परंपरा में चंदन से ऊर्ध्वपुंड्र तिलक लगाने की विशेष परंपरा है। मान्यता है कि यह व्यक्ति को संयम, सदाचार और अहंकार से दूर रहने की प्रेरणा देता है।



दूसरी ओर कुमकुम का लाल रंग ऊर्जा, साहस, शक्ति और मंगल का प्रतीक माना जाता है। मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और अन्य देवी स्वरूपों की पूजा में इसका विशेष उपयोग होता है। विवाहित महिलाएं भी धार्मिक अवसरों पर कुमकुम लगाती हैं।

मान्यता है कि इससे शुभता और सकारात्मकता का भाव बना रहता है।

इस तरह चंदन और कुमकुम दोनों का अपना अलग आध्यात्मिक महत्व है। तिलक लगाने की परंपरा में सामग्री से अधिक श्रद्धा, आस्था और धार्मिक भाव को महत्वपूर्ण माना गया है।

चंदन शांति, कुमकुम शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक

पूजा में चंदन और कुमकुम के अलग महत्व

धनतेरस पर धनिया की छोटी पोटली खोलेगी समृद्धि का रास्ता

यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर सोना, चांदी, बर्तन और झाड़ू खरीदने की परंपरा तो लगभग सभी जानते हैं, लेकिन इस दिन साबुत धनिया खरीदना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनिया को धन, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि धनतेरस की पूजा में साबुत धनिया को विशेष रूप से शामिल किया जाता है। मान्यता है कि इसे विधि–विधान से पूजा में अर्पित करने और घर में रखने से सुख–समृद्धि बनी रहती है।

ज्योतिषी अखिलेश पांडेय के अनुसार, धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। इसी दिन से दीपावली के पांच दिवसीय पर्व की शुरुआत होती है। इस अवसर पर लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार सोना, चांदी, पीतल और तांबे के बर्तन, वाहन सहित अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी करते हैं। साबुत धनिया खरीदना भी इसी परंपरा का हिस्सा माना जाता है।



पूजा में अर्पित कर लाल या पीले कपड़े में बांधें धनिया

तिजोरी में रखने और गमले में बोने की भी है परंपरा

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस पर खरीदे गए साबुत धनिया को सबसे पहले माता लक्ष्मी की पूजा में अर्पित करना चाहिए। पूजा संपन्न होने के बाद इसमें से थोड़ी मात्रा निकालकर साफ लाल या पीले कपड़े में बांध लें। इसके बाद इस पोटली को घर की तिजोरी या उस स्थान पर रख दें, जहां धन और आभूषण रखे जाते हैं। धार्मिक विश्वास है कि ऐसा करने से घर में धन की बरकत बनी रहती है और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

धनिया का कुछ हिस्सा घर के आंगन या गमले में बोने की भी परंपरा है। मान्यता है कि जिस तरह धनिया का पौधा हरा–भरा होकर बढ़ता है, उसी तरह परिवार में सुख–समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। हालांकि ये सभी धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, जिनका उद्देश्य परिवार में शुभता और सकारात्मकता का भाव बनाए रखना है।

सम्पादकीय

सपनों को मारकर जिम्मेदारियां निभाना भी कैसी समझदारी



पवन गौतम
संपादक

किसी की सफलता पर तालियां बजाना आसान है, लेकिन उसकी तरह संघर्ष करना मुश्किल। हम दूसरों को सितारा बनते देखकर खुश तो होते हैं, मगर अपने भीतर छिपे हुनर को जिम्मेदारियों की चादर ओढ़ाकर सुला देते हैं। घर चलाना है, बच्चों को पढ़ाना है, समाज में इज्जत बनानी है... और इसी भागदौड़ में जिंदगी का सबसे बड़ा सपना पता नहीं किस कोने में दम तोड़ने लगता है।

अभिनेता पैट्रिक स्टीवर्ट की जीवन यात्रा यही सवाल खड़ा करती है कि आखिर इंसान परिस्थितियों का गुलाम क्यों बन जाए? साधारण परिवार, परेशानियों से भरा बचपन, 15 वर्ष की उम्र में पढ़ाई छोड़ना और रोजी-रोटी के लिए छोटे-मोटे काम करना। बावजूद इसके उन्होंने अभिनय के प्रति अपने जुनून को जिंदा रखा। 47 वर्ष की उम्र में कैप्टन पिकार्ड बनकर दुनिया भर में पहचान बनाई। यानी प्रतिभा को उम्र की सीमा में बांधने वालों के लिए उनकी कहानी करारा जवाब है। हमारे यहां तो प्रतिभा का गला घोंटने के लिए बहाने भी बड़े व्यवस्थित हैं। बचपन में कहा जाता है कि पहले पढ़ाई कर लो, जवानी में नौकरी पकड़ लो, शादी के बाद परिवार संभाल लो और बुढ़ापे में भगवान का नाम लो। सवाल यह है कि फिर अपने सपनों के लिए समय कब मिलेगा? लगता है जिंदगी की पूरी पटकथा दूसरों ने लिख रखी है और मुख्य किरदार को अपना संवाद बोलने की अनुमति ही नहीं। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बड़े होकर सितारे बनें, लेकिन उनके सपनों को समझने के बजाय उन्हें अपनी अधूरी इच्छाओं का बोझ थमा देते हैं। दफ्तरों में भी यही हाल है। अधिकारी चाहते हैं कि कर्मचारी उनसे आगे न निकलें। शिक्षक चाहते हैं कि विद्यार्थी सवाल कम पूछें। समाज चाहता है कि हर व्यक्ति तय दायरे में रहे। फिर नए विचार और नई प्रतिभाएं पैदा कैसे होंगी? स्टीवर्ट की असली महानता केवल प्रसिद्ध अभिनेता बनने में नहीं थी, बल्कि दूसरों को सीखने, आगे बढ़ने और अपने भीतर की संभावनाएं पहचानने की प्रेरणा देने में थी। उन्होंने साबित किया कि सफलता का अर्थ केवल स्वयं चमकना नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोशनी पैदा करना है। आखिर जीवन का हिसाब केवल इस बात से नहीं होना चाहिए कि हमने कितना कमाया और कितनी प्रसिद्धि पाई, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि कितने लोगों को आगे बढ़ने का अवसर दिया। क्योंकि असली सितारा वह नहीं, जो अकेला चमके, बल्कि वह है जिसकी रोशनी में दूसरे भी चमकना सीख जाएं।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

डिजिटल महल में सेंध, सुरक्षा के दावों का निकला दम

बोध प्रकाश सगुणी



डिजिटल दुनिया को भविष्य की सबसे सुरक्षित दुनिया बताने वालों के लिए क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी कथित 56 हजार करोड़ रुपये की लूट किसी तमाचे से कम नहीं है। अब तक आम आदमी यही समझता था कि चोरी करने के लिए चोर को घर में घुसना पड़ता है, बैंक में सेंध लगानी पड़ती है या तिजोरी तोड़नी पड़ती है। लेकिन तकनीक ने अपराध का तरीका ही बदल दिया है। अब न ताला टूटता है, न दरवाजा खुलता है और न ही किसी चौकीदार को भनक लगती है। कंप्यूटर के रास्ते करोड़ों नहीं, हजारों करोड़ रुपये गायब हो जाते हैं। वह भी इतनी तेजी से कि दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनियां भी हाथ मलती रह जाएं।

क्रिप्टोकरेंसी के बड़े मंच बाइनेंस से जुड़ी करीब 56 हजार करोड़ रुपये की कथित लूट ने डिजिटल अर्थव्यवस्था के चमकदार चेहरे के पीछे छिपी कमजोरियों को उजागर कर दिया है। बताया गया कि हमलावरों ने महज 20 मिनट में अरबों डॉलर की डिजिटल संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। यदि यह आंकड़ा और घटनाक्रम जांच में सही साबित होते हैं तो यह केवल साइबर अपराध नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। जिस मंच को दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल किला बताया जाता है, उसकी सुरक्षा में ही सेंध लगने की बात सामने आना बताता है कि तकनीक के दावे और वास्तविक सुरक्षा के बीच कितनी बड़ी खाई हो सकती है।

विडंबना देखिए कि कंपनियां अपने मंच पर निवेश करने के लिए लोगों को तरह-तरह के सपने दिखाती हैं। कहीं कुछ मिनटों में लेनदेन की सुविधा, कहीं दुनिया के किसी भी कोने में पैसा भेजने की आजादी और कहीं पारंपरिक बैंकिंग से आगे निकलने का दावा। निवेशक भी आधुनिकता की इस चमक से प्रभावित होकर अपनी बचत डिजिटल तिजोरी में जमा करने लगते हैं। मगर जब तिजोरी की रखवाली करने वाला ही सुरक्षा में सेंध का शिकार हो जाए तो निवेशक किससे सवाल करे? आखिर भरोसे का भी कोई बीमा होना चाहिए या नहीं?

सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में पैसा पलक झपकते इधर से उधर हो जाता है, लेकिन उसके सुरक्षित होने की जिम्मेदारी अक्सर कागजी आश्वासनों में उलझी रहती है। कंपनियों के विज्ञापनों में सुरक्षा के कई घेरे दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तविक संकट के समय यही घेरे कितने मजबूत हैं, इसका पता चलता है। चौकीदार की वर्दी चमकदार हो, सीटी भी महंगी हो और सुरक्षा कक्ष में दर्जनों पर्दे भी लगे हों, लेकिन चोर उसी के सामने से तिजोरी लेकर निकल जाए तो व्यवस्था की तारीफ नहीं, जांच होनी चाहिए। इस घटना में कर्मचारियों के तकनीकी उपकरणों और आंतरिक व्यवस्था में सेंध की आशंका भी चिंता बढ़ाती है। यदि किसी कर्मचारी के कंप्यूटर या तकनीकी पहुंच के माध्यम से अरबों की संपत्ति तक पहुंच बनाई जा सकती है तो यह केवल किसी एक व्यक्ति की लापरवाही का विषय नहीं है। यह पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी है। बड़ी कंपनियों को यह समझना होगा कि सुरक्षा केवल महंगे उपकरण खरीद लेने या विज्ञापनों में बड़े दावे करने से नहीं आती। इसके लिए लगातार निगरानी, स्वतंत्र जांच, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और हर महत्वपूर्ण वित्तीय प्रक्रिया पर जवाबदेही जरूरी है।

बाइनेंस की ओर से ग्राहकों के नुकसान की भरपाई का भरोसा देना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। कंपनी ने अपनी आरक्षित निधि और संसाधनों से नुकसान की भरपाई करने की बात कही है। लेकिन यहां भी एक सवाल है। क्या निवेशकों को इस बात से संतुष्ट हो जाना चाहिए कि पहले उनका पैसा खतरे में पड़े और फिर कंपनी अपनी जेब से उसकी भरपाई का वादा कर दे? क्या सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल दुर्घटना के बाद मुआवजा बांटना रह गया है? अस्पताल में इलाज की व्यवस्था अच्छी होना जरूरी है, लेकिन उससे पहले बीमारी को रोकना भी तो जिम्मेदारी है। इसी तरह डिजिटल मंचों को नुकसान की भरपाई से अधिक नुकसान रोकने पर ध्यान देना होगा।

दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकारों और नियामक संस्थाओं के सामने पहले से ही कई सवाल हैं। इसकी कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव, निवेश की अनिश्चितता, पारदर्शिता की कमी और साइबर अपराध का खतरा लगातार चिंता बढ़ाता रहा है। अब इतनी बड़ी कथित लूट ने यह बहस और तेज कर दी है कि क्या डिजिटल संपत्तियों के कारोबार को केवल कंपनियों के भरोसे छोड़ देना उचित है? जब इन मंचों पर दुनिया भर के लोगों की संपत्ति जमा होती है तो उनकी सुरक्षा के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस नियम होने चाहिए। सरकारें एक ओर डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं को बढ़ावा दे रही हैं। आम आदमी को नकदी छोड़कर मोबाइल से भुगतान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह बदलाव सुविधाजनक है और समय की जरूरत भी है। लेकिन सुविधा के साथ सुरक्षा का भरोसा भी उतना ही मजबूत होना चाहिए। केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं कि डिजिटल लेनदेन सुरक्षित है। यह भी बताना होगा कि किसी बड़े साइबर हमले की स्थिति में ग्राहकों का पैसा कैसे बचेगा, शिकायत कहां होगी और नुकसान की जिम्मेदारी किसकी होगी। क्रिप्टो मंचों को यह भी समझना होगा कि निवेशक केवल उनकी कमाई का साधन नहीं हैं। वे अपने विश्वास और मेहनत की कमाई उनके हवाले करते हैं। इसलिए कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था की नियमित स्वतंत्र जांच करानी चाहिए, ग्राहकों को जोखिम की सही जानकारी देनी चाहिए और किसी भी घटना के बाद पूरी पारदर्शिता से जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। साथ ही नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि कंपनियां केवल लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए भी जवाबदेह रहें। दरअसल, इस घटना का सबसे बड़ा सबक यह है कि तकनीक जितनी तेज होगी, उसके साथ खतरे भी उतनी तेजी से बढ़ेंगे। साइबर अपराधियों के लिए सीमाएं मायने नहीं रखतीं। उनका निशाना किसी एक देश का बैंक, किसी दूसरे देश का मंच या दुनिया भर के निवेशकों की जमा पूंजी हो सकती है। इसलिए सुरक्षा को किसी कंपनी की निजी चिंता मानने के बजाय वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की प्राथमिकता बनाना होगा। अंततः सवाल यही है कि डिजिटल दुनिया में भरोसे की कीमत कौन चुकाएगा? कंपनियां तो नुकसान की भरपाई का दावा कर सकती हैं, लेकिन निवेशकों का डगमगाया विश्वास कौन लौटाएगा? तिजोरी में पैसा रखना आसान है, उसकी सुरक्षा का भरोसा बनाए रखना कठिन। याद रखना होगा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की असली पूंजी बिटकॉइन, डॉलर या रुपये नहीं, बल्कि लोगों का विश्वास है। जिस दिन यह पूंजी लुट गई, उस दिन दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल तिजोरी भी खाली ही मानी जाएगी।

विचार विंडो

करों की बरसात में जनता की जेब भीगी

राम प्रकाश शर्मा



अक्टूबर में वस्तु एवं सेवा कर की वसूली का आंकड़ा 2.30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचना निश्चित रूप से सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि है। पिछले वर्ष के अक्टूबर की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि को अर्थव्यवस्था की मजबूती, कारोबार में तेजी और कर व्यवस्था की सफलता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। त्योहारों के मौसम में बाजारों में बढ़ी खरीदारी ने सरकारी खजाने को भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी। लेकिन इस चमकते आंकड़े के पीछे एक सवाल भी खड़ा है। आखिर सरकार के खजाने में बढ़ती धनवर्षा का लाभ आम आदमी की जिंदगी में कितनी बूंदों के रूप में पहुंच रहा है?

कर वसूली बढ़ना अपने आप में बुरी बात नहीं है। सरकार को सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और दूसरी जनसुविधाओं के लिए धन चाहिए। करों से ही विकास योजनाओं को गति मिलती है और देश की व्यवस्था चलती है। लेकिन कर संग्रह की सफलता का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि सरकारी खजाने में कितनी रकम आई। असली कसौटी यह होनी चाहिए कि इस रकम से आम नागरिक को कितनी राहत मिली, कितनी सुविधाएं बेहतर हुईं और कितनी समस्याओं का समाधान हुआ।

अक्टूबर में त्योहारों की रौनक रही। बाजारों में खरीदारी बढ़ी, वाहनों से लेकर कपड़ों, मिठाइयों और घरेलू सामान तक की बिक्री हुई। दुकानदारों को उम्मीद के मुताबिक ग्राहक मिले तो सरकार को भी कर के रूप में बड़ी रकम प्राप्त हुई। मगर बाजार की इस रौनक के बीच छोटे व्यापारियों की परेशानी भी समझनी होगी। कागजी प्रक्रिया, हिसाब-किताब, विवरणी भरने और नियमों की जटिलता से जूझ रहे छोटे कारोबारियों के लिए कर व्यवस्था को सरल बनाना भी उतना ही जरूरी है। बड़ी कंपनियों के पास विशेषज्ञों की पूरी व्यवस्था होती है, लेकिन छोटे दुकानदार को कई बार नियम समझने में ही पसीना आ जाता है।

सरकार के सामने चुनौती केवल अधिक कर जुटाने की नहीं, बल्कि करदाताओं का भरोसा बनाए रखने की भी है। व्यापारी ईमानदारी से कर जमा करे और बदले में उसे अनावश्यक नोटिस, उलझी प्रक्रियाओं तथा भुगतान में देरी का सामना न करना पड़े।

कर व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें नियमों का पालन करना बोझ नहीं, बल्कि सामान्य कारोबारी प्रक्रिया लगे। करदाता को हर बार यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वह कोई अपराधी है और उसे अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

दूसरी ओर आम उपभोक्ता की स्थिति भी कम दिलचस्प नहीं है। वह सामान खरीदते समय कर चुकाता है, बिजली-पानी के बिल भरता है, पेट्रोल-डीजल पर करों का बोझ उठाता है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए अपनी आय का बड़ा हिस्सा खर्च करता है। ऐसे में जब सरकार रिकॉर्ड कर संग्रह की घोषणा करती है तो नागरिक यह जानना चाहता है कि उसके हिस्से में क्या आया। क्या सरकारी अस्पतालों में इलाज आसान हुआ? क्या विद्यालयों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधरी? क्या सड़कों पर गड्ढे कम हुए? क्या सार्वजनिक परिवहन बेहतर हुआ? क्या महंगाई से जूझ रहे परिवारों को कोई राहत मिली?

मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन प्रधान शहरों में तो कर संग्रह और सुविधाओं के बीच का अंतर आसानी से देखा जा सकता है। यहां त्योहारों और धार्मिक आयोजनों में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। बाजारों में कारोबार बढ़ता है, होटल, परिवहन और छोटे दुकानदारों की आमदनी बढ़ती है। सरकार को भी इससे राजस्व मिलता है। लेकिन श्रद्धालुओं को जाम, गंदगी, अव्यवस्थित यातायात और पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाओं की कमी से जूझना पड़ता है। यदि बढ़ते कारोबार और कर संग्रह का लाभ शहर की बुनियादी सुविधाओं में दिखाई नहीं देता तो उपलब्धि का उत्सव अधूरा ही रहेगा।

कर संग्रह में 23 प्रतिशत की वृद्धि का एक अर्थ यह भी है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। लेकिन यह देखना जरूरी है कि इस वृद्धि का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है या नहीं।

बड़े कारोबार की चमक के बीच छोटे दुकानदार, दैनिक मजदूर, निम्न आय वाले परिवार और मध्यम वर्ग की आर्थिक स्थिति पर भी ध्यान देना होगा। बाजार में बिक्री बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि हर परिवार की जेब में अतिरिक्त पैसा आ गया है। कई लोग त्योहारों पर खरीदारी भी अपनी बचत या उधार के सहारे करते हैं।

सरकार को चाहिए कि कर संग्रह के आंकड़ों के साथ उसके उपयोग का भी स्पष्ट हिसाब जनता के सामने रखे। किस क्षेत्र में कितना खर्च हुआ, कितनी योजनाएं पूरी हुईं और नागरिकों को क्या लाभ मिला, इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। करदाता का पैसा सरकारी खजाने में पहुंचकर फाइलों और घोषणाओं तक सीमित न रह जाए। उसका असर अस्पतालों, विद्यालयों, सड़कों, स्वच्छता और रोजगार के अवसरों में दिखाई देना चाहिए।

अक्टूबर की 2.30 लाख करोड़ रुपये की वसूली उत्साह बढ़ाने वाला आंकड़ा हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम सफलता मान लेना जल्दबाजी होगी। सरकार के खजाने का बढ़ना तभी सार्थक है जब जनता की परेशानियां घटें। कर देने वाला नागरिक केवल आंकड़ों में योगदानकर्ता नहीं, बल्कि विकास में भागीदार है। उसे यह अधिकार है कि वह पूछे कि उसकी जेब से निकला पैसा उसके जीवन को कितना बेहतर बना रहा है।

आखिर विकास का अर्थ केवल खजाने का भरना नहीं, बल्कि आम आदमी की जिंदगी में खुशहाली का बढ़ना है। सरकार को कर संग्रह की बरसात पर खुशी मनाने का पूरा अधिकार है, लेकिन जनता को भी यह पूछने का अधिकार है कि इस बरसात में उसके हिस्से की राहत आखिर कहां बरसी?

गाजर का सेवन इन लोगों के लिए जहर के समान है



यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों में बाजार में हर जगह गाजर ही नजर आती है। इस मौसम में गाजर खाई भी जाती है। सर्दियों में लोग सबसे ज्यादा गाजर का ही सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कई लोगों को गाजर का सेवन नुकसान भी पहुंचा सकती है। आइए जानते हैं इसके नुकसान।

सर्दियों के सीजन में सबसे ज्यादा गाजर खाई जाती है। कभी गाजर आलू की सब्जी बन रही तो कभी गाजर का हलवा खाया जा रहा है। हर घर में गाजर का इस्तेमाल अलग–अगल रूप से किया जाता है।

वैसे तो गाजर में पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। सर्दियों में गाजर का अचार भी खूब खाया जाता है।

हालांकि, कई लोगों के लिए सर्दियों में गाजर का लुफ्त उठाना भारी पड़ सकता है। आइए आपको बताते हैं गाजर का सेवन किन लोगों को नहीं करना चाहिए।

पेट संबंधित समस्याएं हो : जिन लोगों को पेट संबंधित समस्याएं बनी रहती है, वो लोग गाजर का सेवन थोड़ी सावधानी के साथ करें। गाजर में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पेट के लिए अच्छा ही होता है लेकिन अगर इसकी मात्रा ज्यादा हो जाए तो ये पेट में ब्लोटिंग, अपच, गैस और कब्ज की समस्या हो सकती है। इसलिए गाजर का सेवन कम करना चाहिए।

डायबिटीज मरीज न करें सेवन : यदि आप शुगर के पैशेंट हैं तो आपको गाजर का सेवन कम ही करना चाहिए या फिर न ही करें तो बढ़िया है। गाजर में प्राकृतिक रूप से शुगर की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में आप गाजर का सेवन अधिक करते हैं, तो ये आपके शुगर लेवल को बढ़ा सकती है। आप चाहे तो अपने डॉक्टर की सलाह के बाद डाइट में गाजर एड करें।

स्तनपान कराने वाली महिला: यदि आप शिशु को दूध पिलाती है, तो आपको गाजर का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए। अगर आप डाइट में ज्यादा गाजर खाते हैं, तो इसकी वजह से महिलाओं के दूध का स्वाद कुछ बदल जाएगा, जो बच्चों के लिए काफी मुश्किल भरा हो सकता है। मां के लिए काफी परेशानी हो सकती है।

एलर्जी होने का खतरा : जिन लोगों को स्किन एलर्जी की समस्या बनी रहती है, वो लोग गाजर का सेवन कम करें। वरना खुजली, रैशेज और दोनों की वजह से तकलीफ हो सकती है। यदि आपको भी यही समस्या होती है, तो गाजर का सेवन सोच–समझकर ही करना चाहिए।



चना दाल से बनाएं सर्दियों के लिए स्पेशल लड्डू



यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों में लड्डू बनाकर खाने हैं तो इस बार चना दाल या सत्तू से तैयार होने वाले ये लड्डू बनाकर खाएं। चना दाल और ड्राई फ्रूट्स का ये एक लड्डूआपको दिनभर एनर्जी देगा। जानिए सर्दियों में खाए जाने वाले लड्डू की रेसिपी।

सर्दियों में अगर लड्डूबनाकर नहीं खाए तो समझ लो आपने कुछ नहीं खाया। ठंड में हर घर में किसी न किसी तरह के लड्डू जरूर बनाए जाते हैं। सर्दियों में तिल के लड्डू , अलसी के लड्डू , गोंद के लड्डू , मेथी के लड्डू , ड्राई फ्रूट्स के लड्डू , सौंठ के के लड्डू और न जाने कितनी तरह के लड्डू बनाए और खाए जाते हैं। आज हम आपको चने की दाल और सत्तू से बनने वाले लड्डू की रेसिपी बता रहे हैं। सर्दियों में रोज नाश्ते में ये 1 लड्डू खाने से आपको भरपूर ताकत और एनर्जी मिलेगी।

बनाने की रेसिपी : करीब 1 कप भुनी हुई चना दाल लेनी है। अगर आपके पास चना दाल नहीं है तो आप चने का सत्तू भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा भुने बिना छिलके वाले चने भी ले सकते हैं। हम चना दाल ले रहे हैं और उसे मीडियम फ्लेम पर ब्राउन होने तक रोस्ट करेंगे।

दाल को निकालकर ठंडा कर लें और उसी पैन या कड़ाही में 1 चम्मच देसी घी डालकर आधा कप मूंगफली को भून लें। अब पैन में एक चौथाई कप काजू, एक चौथाई कप बादाम, एक चौथाई कप मखाना डालकर भून लें। ड्राई फ्रूट्स को भूनने के बाद निकाल लें। अब पैन में एक चौथाई कप कद्दू के बीज, एक चौथाई कप अलसी के बीज भून लें। सारी चीजों को निकाल लें और भुनी दाल को मिक्सी में बारीक पाउडर जैसा पीस लें। इसी मिक्सी में सारे ड्राई फ्रूट्स और बीज को दरदरा पीस लें।

अब कड़ाही में एक तिहाई कप देसी घी डालें और इसमें आधा कप गेहूं का आटा डालकर भून लें। आटा जब भुन जाए तो इसमें चना का पिसा पाउडर मिला लें। जब हल्की भुनने की खुशबू आए तो इसमें किशमिश, क्रेनबेरी और मुनक्का डालकर भून लें। जब किशमिश फूल जाएं तो इसमें 1 कप बारीक कुटा हुआ गुड़ डालकर मिलाएं।

गुड़ के पिघलने तक गैस की फ्लेम एकदम स्लो रखें। अब इसमें ड्राई फ्रूट्स का पाउडर डालकर मिलाएं।

गैस बंद कर दें और सारी चीजों को हल्का ठंडा होने दें। अब इस तैयार बैटर से फटाफट लड्डू बनाते जाएं। ठंडा होने के बाद लड्डू बनाने में मुश्किल होती है।

सर्दियों के मौसम में गुलाब के पौधे की देखभाल कैसे करें



यूनिक समय, मथुरा। सर्दियों के मौसम में गुलाब का फूल खिला–खिला बेहद खूबसूरत लगता है। गुलाब का पौधा एक सुंदर होता है जो अपने जीवंत फूलों और मनमोहक खुशबू के लिए जाना जाता है। सर्दियों में अपने घर के गुलाब के फूलों को खिले–खिले बनाना चाहते हैं, तो इन टिप्स को जरूर फॉलो करें।

गुलाब का पौधा बेहद ही सुंदर और लोकप्रिय पौधों में से एक है। यह अपने शानदार फूलों और सुखद खुशबू के लिए जाना जाता है।

गुलाब को फलने–फूलने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। इनमें सही मात्रा में सूरज की रोशनी, पानी और पोषक तत्व शामिल हैं। गुलाब के पौधों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मजबूत हों और सुंदर फूल देते रहें रहें। इस समय अधिक पानी देना भी उचित नहीं है।

सही संतुलन बनाना जरूरी है, सप्ताह में एक बार अपने गुलाब को पानी दें और पत्तियों पर पानी छिड़कें, ऐसा करने से पौधे की सुंदरता में सुधार होगा और पौधे की जीवन शक्ति में ठीक रहेगी।

पौधे के विकास के लिए उचित पोषण का होना काफी जरूरी है। गुलाब के पौधे को आवश्यक पोषण प्रदान करने के लिए, आप सरसों की खली को जैविक उर्वरक के रूप में उपयोग कर सकते हैं। सरसों की खली को लगभग 3 से 4 दिनों के लिए पानी में भिगो दें ताकि वह टूट जाए। बाद में, गुलाब के पौधे की जड़ों के चारों ओर खुदाई करें और पोषक तत्वों से भरपूर घोल को मिट्टी में मिला दें। इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और पौधे अधिक प्रचुर मात्रा में खिलेंगे।

गुलाब के पौधे के विकास के लिए पर्याप्त मात्रा में पोटाश, फॉस्फेट और विभिन्न महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इन पोषक तत्वों की आपूर्ति के लिए एक प्रभावी तरीका कम्पोस्ट खाद। यह प्राकृतिक उर्वरक न केवल पौधे के स्वास्थ्य का समर्थन करता है बल्कि जोरदार विकास और फूलों के खिलने को भी बढ़ावा देता है।

जीवंत, गहरे रंग के फूलों और स्वस्थ, हरे पत्तों को प्रोत्साहित करने के लिए, हर महीने मिट्टी में कैल्शियम मिलाना सहायक होता है। पौधे के चारों ओर खुदाई करते समय मिट्टी में एक बड़ा चम्मच सफेदी वाला चूना मिलाएं। यह संयोजन आपके गुलाब के पौधे पर गहरे, गहरे रंग के फूलों के विकास को बढ़ावा देगा।

गहरे रंग के फूलों और स्वस्थ, हरे पत्तों को प्रोत्साहित करने के लिए आप हर महीने मिट्टी में कैल्शियम मिला सकते हैं। पौधे के चारों ओर खुदाई करते समय मिट्टी में एक बड़ा चम्मच सफेदी वाला चूना मिलाएं। यह संयोजन आपके गुलाब के पौधे पर गहरे रंग के फूलों के विकास में बढ़ावा मिलेगा।

उचित पानी, धूप और खाद के साथ–साथ अपने गुलाब के पौधे के स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बनाए रखने के लिए नियमित छंटाई आवश्यक है।

बर्फबारी देखने का मन है तो अभी से बना लें घूमने का प्लान

यूनिक समय, मथुरा। बर्फबारी देखने का मन है तो अभी से घूमने के प्लान बना लें। दिसंबर के आखिर से लेकर जनवरी फरवरी के महीने में कई हिल स्टेशन पर जमकर स्नोफॉल होता है। आप यहां बर्फबारी का भरपूर मजा ले सकते हैं।

अगर आप पहाड़ों पर घूमने के शौकीन हैं तो बर्फबारी भी आपको जरूर पसंद होगी। आसमान से गिरती हुई बर्फ देखकर आप अपनी खुशी रोक नहीं पाएंगे। जब ठंडी बर्फ के फहारे चेहरे पर आकर गिरते हैं तो ऐसा लगता है मानो आप जन्नत में हों। हर किसी की चाहत होती है कि वो एक बार गिरती हुई बर्फबारी का मजा ले। अगर आपको भी स्नोफॉल देखने के मन है तो अभी से घूमने के प्लान बना लें। भारत में ऐसे कई हिल स्टेशन हैं जहां जमकर बर्फबारी होती है। आप यहां स्नोफॉल और स्नो एडवेंचर का मजा ले सकते हैं।



शिमला— बर्फबारी के शौकीन हैं तो शिमला घूमने के प्लान बना लें। दिसंबर के आखिर और जनवरी की शुरुआत में शिमला में काफी बर्फबारी होती है।

शिमला से घंटेभर की दूरी तय करके आप कुफरी जा सकते हैं। जहां आपको जनवरी के पहले सप्ताह में ही बर्फबारी देखने को मिल जाएगी। यहां कई तरह की स्नो एक्टिविटी भी होती हैं।

कुल्लू मनाली— हिमाचल प्रदेश का कुल्लू मनाली बर्फबारी के दिनों में गुलजार रहता है। कल्लू मनाली में जमकर बर्फबारी होती है। मनाली में स्नो एडवेंचर का मजा ले सकते हैं। कुल्लू मनाली में दिसंबर के आखिर में बर्फबारी शुरू हो जाती है और जनवरी फरवरी और मार्च तक बर्फबारी होती है।

औली— उत्तराखंड में ऑली बेहद खूबसूरत जगह है। ऑली अपने स्नो एडवेंचर एक्टिविटीज जैसे स्कीइंग के लिए काफी फेमस है। दिसंबर के आखिर से आपको फरवरी मार्च तक ऑली में बर्फबारी देखने को मिल जाएगी। ऑली में बर्फ की चादर में लिपटे हुए पहाड़ आपको अपना दीवाना बना लेंगे।

कश्मीर श्रीनगर— बर्फबारी के लिए कश्मीर और श्रीनगर भी काफी फेमस है। यहां गुलमर्ग से लेकर पहलगाम तक बर्फबारी देखने को मिल जाएगी। जनवरी–फरवरी का महीना बर्फबारी देखने के लिए बेस्ट है। सर्दियों में श्रीनगर की वादियां बिल्कुल बदल जाती है, जब यहां भारी बर्फबारी होती है।

लाचुंग— सिक्किम में लाचुंग भी स्नोफॉल के लिए बेहतरीन जगहों में से एक है। ऊंचे हिमालय पहाड़ जो सर्दियों में बर्फ से पूरी तरह से ढ़क जाते हैं। यहां आपको कड़कड़ाती ठंड के साथ बर्फबारी भी देखने को मिलेगी। सिक्किम में नाथुला पास में आपको अप्रैल से लेकर मई तक भी बर्फबारी देखने को मिल जाएगी।

सात सेकंड में 15 लाख के जेवर लेकर नकाबपोश महिला फरार



फुटेज से महिला की पहचान में जुटी पुलिस

जेवरों का बॉक्स लेकर महिला हुई फरार

यूनिक समय, आगरा। थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स शोरूम में खरीदारी के बहाने पहुंची नकाबपोश महिला ने सात सेकंड में करीब 15 लाख रुपये के जेवर चोरी कर लिए। महिला ने मौका पाकर तराजू के पास रखा जेवरों का बॉक्स अपने दुपट्टे में छिपाया और शोरूम से बाहर निकल गई। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

शोरूम मालिक सचिन अग्रवाल के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब तीन बजे दुकान में ग्राहकों की भीड़ थी। दो महिलाएं काउंटर पर बैठकर जेवर देख रही थीं और कर्मचारी उन्हें गहने दिखाने में व्यस्त थे। इसी दौरान चेहरा ढके एक महिला शोरूम में दाखिल हुई। उसने मौका देखकर तराजू के पास रखा जेवरों का बॉक्स उठा लिया और दुपट्टे में छिपाकर बाहर चली गई।

बॉक्स गायब मिलने पर सचिन ने सीसीटीवी फुटेज देखी, जिसमें महिला की करतूत सामने आई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और फुटेज खंगाली।

एसीपी सदर अमीषा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की पहचान की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

लखनऊ में धर्मांतरण की तैयारी का आरोप, सात लोग हिरासत में



राजाजीपुरम के मकान में चल रही थी ईसाई प्रार्थना सभा

विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी के राजाजीपुरम इलाके में एक मकान के अंदर चल रही ईसाई प्रार्थना सभा को लेकर रविवार को हंगामा हो गया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सभा में करीब 100 लोगों का सामूहिक धर्मांतरण कराने की तैयारी की जा रही थी। विरोध के दौरान दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की और मारपीट की कोशिश होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने मौके से सात लोगों को हिरासत में लिया है। मामला रत्नम आई हॉस्पिटल के पास स्थित एक मकान का है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां रविवार को बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्हें मकान में चंगाई सभा आयोजित होने और लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किए जाने की सूचना मिली थी। कुछ कार्यकर्ता पहचान छिपाकर सभा में पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को परेशानियां दूर होने और आर्थिक लाभ मिलने का भरोसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए कहा जा रहा था। बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख देवेंद्र ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। विहिप के जिला सह संयोजक अनुज शर्मा ने तालकटोरा थाने में शिकायत देकर सभा में हिंदू देवी-देवताओं के अपमान का आरोप भी लगाया। स्थानीय निवासी सरोज सिंह ने दावा किया कि वहां महिलाएं, पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। तालकटोरा इंस्पेक्टर कुलदीप दुबे के अनुसार, एक ईसाई व्यक्ति ने मकान में कमरा किराये पर लिया है और वहां प्रार्थना सभा हो रही थी। फिलहाल धर्मांतरण जैसी बात सामने नहीं आई है। मामले की जांच की जा रही है।

पीईटी के आखिरी दिन सख्त तलाशी कहीं बाल खुलवाए तो कहीं उतरवाए जूते



हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के कलावे काटे गए

साठ जिलों के तेरह सौ बहत्तर केंद्रों पर हुई परीक्षा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 का रविवार को आखिरी दिन रहा। प्रदेश के 60 जिलों में 1372 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा आयोजित की गई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक हुई। केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। कई जगह जांच के दौरान अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाकर जांच की गई और कलावे काटे गए। जौनपुर में क्लेचर, हेयर पिन, कंगन और चूड़ियां उतरवाई गईं। सीतापुर में पुरुष अभ्यर्थियों के जूते-मोजे और गले में पड़े धागों की जांच हुई, जबकि महिला अभ्यर्थियों के आभूषण उतरवाए गए। प्रयागराज और सहारनपुर में भी जूते उतरवाकर तलाशी ली गई। झांसी में शर्ट की आस्तीन खुलवाकर जांच की गई। अलीगढ़ में पानी की बोतलों से स्टीकर हटवाए गए।

परीक्षा केंद्रों के बाहर सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती रही। गोरखपुर में 52 केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। आगरा में पहली पाली की परीक्षा छूटने के बाद एमजी रोड पर जाम लग गया।

आखिरी दिन करीब 11.80 लाख अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान था। इससे पहले 25 और 30 अक्टूबर को 16 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा दे चुके हैं। प्रदेशभर में कुल 35.41 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। पहली पाली के बाद कई अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को सामान्य से मध्यम स्तर का बताया। कुछ ने इतिहास और अंग्रेजी के प्रश्नों को कठिन बताया, वहीं दूर परीक्षा केंद्र मिलने से हुई परेशानी भी सामने आई। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक निर्धारित थी।

आगरा में बुजुर्ग दंपति की संदिग्ध हालात में मौत

आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था बुजुर्ग दंपति

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजकर जांच शुरू की

यूनिक समय, आगरा। शाहगंज थाना क्षेत्र की सराय ख्वाजा चौकी अंतर्गत वर वाली गली में रविवार को बुजुर्ग दंपति की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान करीब 65 वर्षीय शेर अली उर्फ शेरू और उनकी पत्नी मुन्नी के रूप में हुई है। दोनों के शव घर में अलग-अलग स्थानों पर मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शेर अली घर में ही छोटी दुकान चलाने के साथ सिलाई का काम भी करते थे। दंपति के चार बेटियां और एक बेटा है। बेटा शरीफ जयपुर में काम करता है, जबकि उसकी पत्नी और बेटी घर पर रहती हैं।

बहू नूर बानो के अनुसार, रविवार सुबह परिवार को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से पुलिस को सूचना दी गई।

एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि सुबह करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली थी। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ में आर्थिक तंगी की बात सामने आई है। आशंका है कि इसी परेशानी के चलते दंपति ने यह कदम उठाया। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जमानत के बाद फिर जेल पहुंचे आजम खान

अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

यूनिक समय, गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को रविवार को गाजियाबाद की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें सुबह करीब 10:30 बजे अदालत में पेश किया। सुनवाई के बाद आजम को डासना जेल ले जाया गया। सुरक्षा के लिए ईडी टीम के साथ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात रहे। ईडी ने शनिवार शाम रामपुर जेल से रिहा होते ही आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। आरोप जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में सरकारी धन के इस्तेमाल से जुड़ा है। ईडी ने उनसे पूछताछ भी की। इससे पहले 29 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में आजम और उनके बेटे अब्दु ल्ला की सजा निलंबित कर जमानत दी थी। मामले पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आजम को मुसलमान होने या विश्वविद्यालय बनाने की नहीं, बल्कि कथित अपराध और भ्रष्टाचार की सजा मिल रही है। उन्होंने अखिलेश यादव को भी जांच के दायरे में लाने की मांग की।

वहीं, सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने गिरफ्तारी को सरकार के इशारे पर की गई कार्रवाई बताया। आजम के वकील दानिश अली ने कहा कि ईडी अदालत में अपनी बात ठीक से स्पष्ट नहीं कर पाई।

आगरा में फर्जी कॉल सेंटर मामले में दो आरोपियों को जमानत



सीसीटीवी फुटेज से गिरफ्तारी के समय उठे सवाल

दोनों आरोपियों को अदालत से जमानत पर राहत

यूनिक समय, आगरा। फर्जी कॉल सेंटर चलाने के आरोप में गिरफ्तार आमिर सैफी और मनीष को अदालत से राहत मिल गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली ने दोनों की जमानत याचिकाएं स्वीकार कर लीं। बचाव पक्ष ने पुलिस की गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाते हुए कॉल सेंटर के सीसीटीवी फुटेज अदालत में पेश किए थे।

अधिवक्ता के मुताबिक, पुलिस ने गिरफ्तारी शाम छह बजे से रात 11 बजे के बीच दर्शाई, जबकि दोनों को दोपहर करीब दो बजे ही पकड़ लिया गया था। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि मौके से अपराध से जुड़ी कोई वस्तु बरामद नहीं हुई और संबंधित फर्म वैध है। इसके समर्थन में दस्तावेज भी पेश किए गए।

साइबर क्राइम निरीक्षक श्याम सिंह ने 21 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने जगदीशपुरा के सत्यम प्लाजा स्थित वीवी इंटरप्राइजेज पर छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार करने और आठ सिम बॉक्स तथा 281 सिम बरामद करने का दावा किया था। अदालत ने 20-20 हजार रुपये के दो जमानतदार और व्यक्तिगत बंधपत्र पर रिहाई के आदेश दिए।

सपा ने दस लाख गुंडे पाले, भाजपा ने दीं दस लाख नौकरियां : योगी



चौरीचौरा में 1663 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

नेहरू पर क्रांतिकारियों की पैरवी नहीं करने का लगाया आरोप

यूनिक समय, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर के चौरीचौरा में जनसभा के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा की चार सरकारों के कार्यकाल में प्रदेश में दस लाख गुंडे पनपे, जबकि भाजपा सरकार ने दस वर्षों में दस लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपराध और अराजकता पर लगाम लगाई है।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक चौरीचौरा कांड का जिक्र करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू पर क्रांतिकारियों की पैरवी के लिए आगे नहीं आने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने 172 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई थी। पंडित मदन मोहन मालवीय ने पैरवी कर 151 लोगों को फांसी से बचाया था। योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में त्योहारों पर दंगे और उपद्रव होते थे, जबकि अब प्रदेश विकास और उत्सव की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने चौरीचौरा शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने क्षेत्र में 1663 करोड़ रुपये की लागत वाली 88 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान और प्रदेश के मंत्री संजय निषाद भी मौजूद रहे।

रामलीला मैदान में जुटे दिग्गज नेता

एसआईआर के खिलाफ विपक्षी दलों का शक्ति प्रदर्शन



यूनिक समय, नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में इंडिया गठबंधन के घटक दल रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला, तेजस्वी यादव और सुप्रिया सुले समेत 19 राजनीतिक दलों के नेता मिंटो जंक्शन से मार्च करते हुए रामलीला मैदान पहुंचे। रैली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई गई।

मार्च शुरू होने से पहले मिंटो रोड पर बड़ी संख्या में विपक्षी दलों के कार्यकर्ता एकत्र हुए। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग की थी और सुरक्षा के लिए चार हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। राहुल गांधी समेत कई नेता खुली गाड़ियों में सवार होकर मार्च में शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अलग वाहन से रामलीला मैदान पहुंचे, जबकि सोनिया गांधी भी रैली में शामिल होने पहुंचीं।

रैली में भीड़ को लेकर विपक्ष ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया, जबकि दिल्ली पुलिस का अनुमान करीब 50 हजार लोगों का था। मैदान में व्यवस्थाओं के बाद 30 से 40 हजार लोगों के समा पाने की क्षमता बताई गई। पुलिस ने कार्यक्रम के लिए सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक की अनुमति दी थी।

राहुल, प्रियंका, अखिलेश और ममता ने किया मार्च

राहुल का आरोप, कनॉट प्लेस की दुकानें बंद

इस बीच राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि कनॉट प्लेस में भारतीय जनता पार्टी ने जबरन दुकानें बंद करवा दीं।

उन्होंने कहा कि रैली में आने वाले लोगों से स्थानीय दुकानों पर खरीदारी करने की अपील की गई थी, लेकिन वहां दुकानें बंद मिलीं। राहुल ने व्यापारियों को हुए नुकसान के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मतदाता सूची साफ होनी चाहिए, लेकिन इसके नाम पर बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम नहीं काटे जाने चाहिए। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने इसे युवाओं, महिलाओं, किसानों और मजदूरों के अधिकारों से जुड़ा आंदोलन बताया।

विपक्ष की रैली के जवाब में भाजपा का देशव्यापी मार्च



यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में एसआईआर विरोधी रैली के जवाब में भाजपा ने रविवार को दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नेतृत्व में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किलोमीटर लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने एसआईआर के विरोध में रैली के लिए एक नवंबर का दिन जानबूझकर चुना, क्योंकि इसी दिन 1984 में सिख विरोधी हिंसा हुई थी।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि इस दिन सिख हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था, लेकिन राहुल गांधी अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं।

दिल्ली समेत कई राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

नड्डा ने राहुल पर लगाया शहीदों को भुलाने का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने अब तक सिख परिवारों से दिल से माफी नहीं मांगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में मार्च निकाला। उन्होंने कांग्रेस पर वोट चोरी और जनादेश का अपमान करने का आरोप लगाया। नवीन ने राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम करने का आरोप भी लगाया। महाराष्ट्र के बोरीवली और हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में भी भाजपा ने मार्च निकाला।

प्रयोगशालाओं में पशुओं पर परीक्षण के नए नियमों पर उठे सवाल

खरगोशों और कुत्तों पर प्रयोगों की पीड़ा बताई अंबिका शुक्ला ने

निगरानी कमजोर होने से शोध की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रयोगशालाओं में पशुओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार के प्रस्तावित नए नियमों पर बहस तेज हो गई है। पशु कल्याण कार्यकर्ता और पीपल फॉर एनिमल्स से जुड़ी अंबिका शुक्ला ने इन नियमों पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने बताया कि प्रयोगशालाओं में परीक्षण के दौरान पशुओं को शारीरिक पीड़ा के साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ता है। अंबिका के मुताबिक, सौंदर्य प्रसाधनों की जांच के दौरान खरगोशों की आंखों में शैंपू की बूंदें डाली जाती थीं। वहीं, बीगल नस्ल के कुत्तों की आवाज दबाने के लिए उनके स्वर तंत्र को नुकसान पहुंचाने के मामले भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पशु दर्द, डर और अकेलापन महसूस करते हैं, लेकिन अपनी तकलीफ बता नहीं सकते। शुक्ला ने प्रस्तावित नियमों में पशुओं को दूसरे स्थानों से लाने की छूट और संस्थानों को अपने शोध की मंजूरी स्वयं देने की व्यवस्था पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि इससे स्वतंत्र निगरानी कमजोर हो सकती है। उन्होंने पहले से सूचना देकर प्रयोगशालाओं के निरीक्षण के प्रस्ताव पर भी चिंता जताई। अंबिका ने कहा कि नियंत्रित वातावरण में ही शोध के विश्वसनीय नतीजे मिल सकते हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोशिका आधारित और कंप्यूटर आधारित परीक्षण जैसे विकल्प अपनाने की वकालत की। प्रस्तावित नियमों पर आम लोगों से पांच नवंबर तक राय मांगी गई है। उन्होंने लोगों से अपनी आपत्तियां सरकार तक पहुंचाने की अपील की।

पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी में बगावत, दो विधायकों ने छोड़ी पार्टी

सनौर और समाना के विधायकों ने दिया इस्तीफा



यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो विधायकों ने प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की है। इनमें पटियाला जिले की सनौर सीट से विधायक हरमीत सिंह पठान माजरा और समाना से विधायक एवं पूर्व मंत्री चेतन सिंह जोड़ा माजरा शामिल हैं।

चेतन सिंह जोड़ा माजरा ने सामाजिक माध्यम पर इस्तीफे की जानकारी देते हुए कहा कि वह आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ रहे हैं। वहीं, हरमीत सिंह पठान माजरा ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब पार्टी ने 31 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान को धुरी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। जेल में बंद संजीव अरोड़ा को भी लुधियाना पश्चिम से टिकट दिया गया है। इधर, भाजपा भी पंजाब में चुनावी तैयारियां तेज कर रही है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा कर नशे के मुद्दे पर आप सरकार को घेरा था। दो विधायकों के इस्तीफे से पंजाब की राजनीति में हलचल बढ़ गई है।

एमबीए छात्र बना पहिया चोर, थार समेत कई गाड़ियों को बनाया निशाना

हैदराबाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 15 पहिए बरामद किए

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज, चोरी के 11 मामलों में नाम



यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के हैदराबाद में कारों के टायर और रिम चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एमबीए के छात्र शोबान अली खान को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 15 पहिए बरामद किए गए हैं, जिनमें महिंद्रा थार के 12 पहिए शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर को रेथीबोवली स्थित गैलेक्सी एन्क्लेव अपार्टमेंट के बाहर खड़ी थार का पिछला टायर चोरी होने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक युवक स्कूटर से पहुंचकर गाड़ी का स्टेपनी टायर निकालता दिखाई दिया। पहचान होने के बाद पुलिस ने शनिवार को शोबान को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी चोरी से पहले सड़क पर लोगों की आवाजाही पर नजर रखता था। मौका मिलते ही वह पहिया निकालकर स्कूटर पर रखकर फरार हो जाता था। वह पंचर की दुकानों से औजार लेकर काम पूरा होने पर लौटा देता था। उसके पिता व्हील अलाइनमेंट की दुकान पर काम करते हैं, जिससे उसे पहियों की जानकारी थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 10 थानों में दर्ज चोरी के 11 मामलों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। बरामदगी में फोर्ड एंडेवर और इकोस्पोर्ट के पहिए भी शामिल हैं। पुलिस अब चोरी के पहिए कहां बेचे गए, इसकी जांच कर रही है।

बंगाल की खाड़ी में मौसम सक्रिय, कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के असर से देश के कई राज्यों में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे अंडमान सागर में मौसमी गतिविधियां सक्रिय हैं। यह सिस्टम दो नवंबर की शाम तक आंध्र प्रदेश के तट के करीब पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों में भारी बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, केरल और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी किया है। ओडिशा



में गरज–चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और माहे में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

एक से दो नवंबर के बीच केरल, आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी बारिश की संभावना है। दो से तीन नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी बारिश हो सकती है। पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज हवाओं के साथ वर्षा के आसार हैं। यहां हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

आंध्र प्रदेश और ओडिशा में तेज बारिश की चेतावनी

पूर्वी मध्य प्रदेश में पचास किलोमीटर रफ्तार से चलेंगी हवाएं

मुंबई में बीएमडब्ल्यू चालक की दबंगई, ट्रैफिक कांस्टेबल पर कार चढ़ाने की कोशिश

यूनिक समय, मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में बीएमडब्ल्यू कार चला रही महिला पर ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल के साथ बदसलूकी और उन पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश का आरोप लगा है। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 30 अक्टूबर की रात संगीत महाभारती जंक्शन के पास हुई। यहां बीएमडब्ल्यू और वैगनआर कार के बीच मामूली टक्कर हो गई थी। सूचना पर पहुंचे ट्रैफिक कांस्टेबल प्रशांत गोकुल हाके ने महिला चालक को गाड़ी रोकने और कानूनी कार्रवाई में सहयोग करने को कहा।

आरोप है कि महिला ने निर्देशों की अनदेखी की और कांस्टेबल के ऊपर कार चढ़ाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद एक महिला ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। कांस्टेबल की शिकायत पर जुहू पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

खादी के रैंप पर बिखरा ब्रज का रंग, देशी परिधानों ने मोहा मन






रविवार को ब्रजरज उत्सव में खादी फैशन शो का आयोजन हुआ। इस मौके पर रैंप पर मॉडल ने खादी के वस्त्र पहनकर लोगों को आकर्षित किया।

दिल्ली, हरियाणा, आगरा और मथुरा की टीमों ने लिया हिस्सा

20 महिला और 20 पुरुष मॉडल ने किया स्वदेशी पहनावे का प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव में रविवार को खादी के रंगों ने फैशन का नया अंदाज बिखेरा। रेलवे ग्राउंड, धौली प्याऊ पर आयोजित फैशन शो में जब महिला और पुरुष मॉडल खादी के परिधानों में रैंप पर उतरे तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। किसी ने खादी की साड़ी में भारतीय नारी की पारंपरिक सुंदरता दिखाई तो किसी ने कुर्ता-पायजामा पहनकर देशी पहनावे की सादगी और आकर्षण को मंच पर उतारा। आयोजन ने संदेश दिया कि खादी अब केवल सादगी का प्रतीक नहीं, बल्कि आधुनिक फैशन और भारतीय पहचान का भी हिस्सा है।



कार्यक्रम का शुभारंभ करते पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, साथ हैं डीडीओ गरिमा खरे, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार, नीतू यादव, राजीव त्यागी, सतीश चंद्र और मनीषा पाराशर।

उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से आयोजित फैशन शो की थीम 'हर घर खादी, घर-घर खादी' और 'खादी फॉर फैशन, खादी फॉर नेशन' रही। शुभारंभ पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार, नीतू यादव, राजीव त्यागी, सतीश चंद्र और मनीषा पाराशर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

दिल्ली, हरियाणा, आगरा और मथुरा की टीमों के 20 महिला और 20 पुरुष प्रतिभागियों ने रैंप पर अपनी प्रस्तुति दी। महिलाओं ने आकर्षक खादी की साड़ियों में पारंपरिक सौंदर्य प्रदर्शित किया, जबकि पुरुषों ने कुर्ता-पायजामा पहनकर भारतीय वेशभूषा की छटा बिखेरी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में रंग जमाया।

मुख्य अतिथि सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि खादी अपनाना सिर्फ पहनावे का चुनाव नहीं, बल्कि बुनकरों, कारीगरों और ग्रामीण रोजगार को मजबूती देना भी है। कार्यक्रम के जरिए विदेशी पहनावे की अंधी दौड़ छोड़ भारतीय परंपराओं और स्वदेशी वस्त्रों से जुड़ने का संदेश दिया गया।

खादी अब सिर्फ सादगी नहीं, फैशन की नई पहचान

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजरज उत्सव में आयोजित फैशन शो ने खादी के पारंपरिक स्वरूप को नए अंदाज में पेश किया। रैंप पर उतरीं महिलाओं की आकर्षक साड़ियों और पुरुषों के कुर्ता-पायजामे ने दिखाया कि खादी आधुनिक फैशन के साथ भी कदमताल कर सकती है। दिल्ली, हरियाणा, आगरा और मथुरा से आए प्रतिभागियों ने स्वदेशी परिधानों की खूबसूरती और उपयोगिता को सामने रखा। संदेश साफ था कि खादी सिर्फ पुरानी पीढ़ी का पहनावा नहीं, बल्कि हर उम्र और हर दौर की पसंद बन सकती है।


स्व. श्री कन्हैया अग्रवाल

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय कन्हैया अग्रवाल सुपुत्र स्व. श्री ओमप्रकाश जी (वकील साहब हाथी वाले) का आकस्मिक निधन दिनांक 01.11.2026 को हो गया है। उठावनी दिनांक 02.11.2026 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका, सरस्वती कुंड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- श्रीमती विमला देवी (माताजी) श्रीमती रुचि अग्रवाल (पत्नी) यश, शुभ (पुत्र) दिलीप-तनु अग्रवाल (भाई-भाभी) एवं समस्त हाथी वाला परिवार

प्रतिष्ठानः- प्रभु दयाल लक्ष्मी नारायण हाथी वाले, लाल दरवाजा, मथुरा मो. 8923281729

ससुराल पक्षः- सुधीर कुमार (ससुर) अंकित अग्रवाल (साला) अंकित किराना स्टोर, मथुरा

न्याय व्यवस्था की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक हो सुनिश्चित : न्यायमूर्ति



कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारंभ करते अतिथि।

सिविल लॉयर्स फोरम के सेमिनार में न्याय की सुलभता समानता और विधिक अधिकारों पर हुआ मंथन

यूनिक समय, मथुरा। सिविल लॉयर्स फोरम के तत्वावधान में शनिवार को धौली प्याऊ स्थित होटल गुरुकृपा ग्रांड में 'न्याय सबका अधिकार, मिलना जरूरी' विषय पर विधिक सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें न्यायपालिका और विधि जगत से जुड़े न्यायिक अधिकारियों तथा वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने आमजन के विधिक अधिकारों और न्याय की सुलभता पर विचार रखे।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी और न्यायमूर्ति राजीव भारती रहे। विशिष्ट अतिथि प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट प्रीति श्रीवास्तव और जिला जज विकास कुमार का स्वागत किया गया। दीप प्रज्ज्वलन और मोनू पंडित के वैदिक मंगलाचरण से कार्यक्रम शुरू हुआ। स्वागत भाषण अजय शर्मा ने दिया, जबकि रमेश शर्मा ने फोरम की गतिविधियों की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचे। इसके लिए न्यायिक प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने के साथ लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना जरूरी है। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह और सचिव मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। न्यायिक अधिकारियों में सिविल जज प्रत्यूष आनंद मिश्रा, अपर जिला जज अजय पाल सिंह, अरविंद कुमार यादव, सीजेएम नितिन कुमार दीक्षित, अपर जिला जज पाराशर, एसीजेएम-द्वितीय रूपेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संयोजन फोरम के उपाध्यक्ष राकेश तिवारी और सचिव विजयेन्द्र वैदिक ने किया। अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शर्मा ने आभार जताया। इस अवसर पर संकल्प शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश चंद्र अग्रवाल, मुकेश खंडेलवाल, गोपाल खंडेलवाल, महेश चंद अग्रवाल, विक्रम सिंह, विशाल स्वरूप गोयल, संजय गौड़, विनय कुमार शर्मा और अंकित चतुर्वेदी एडवोकेट सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

डांडिया-गरबा की धुन पर झूम उठा कान्हा माखन स्कूल



नृत्य नाटिका के दौरान श्रीराम- लक्ष्मण, सीता और हनुमान की भूमिका में कलाकार।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन ग्रुप ऑफ स्कूल्स की ओर से शनिवार को हेड ब्रांच के असेंबली ग्राउंड में 'रंगीलो दीपोत्सव 2026- डांडिया गरबा नाइट' का भव्य आयोजन किया गया। दीपों की जगमगाहट, रंगीन रोशनी और संगीत के बीच विद्यालय की सभी शाखाओं के स्टाफ सदस्यों ने जमकर उत्सव मनाया। डांडिया-गरबा की धुन पर थिरकते कदमों ने माहौल को उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम में दिल्ली ग्रुप की रामायण नृत्य-नाटिका, राजस्थानी लोकनृत्य और महिला-पुरुष गायकों की लाइव बैंड प्रस्तुति प्रमुख आकर्षण रहे। पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। व्यंजनों और चाट के विशेष काउंटर भी लगाए गए।

इस अवसर पर प्रमोद कसेरा, युधिष्ठिर कृष्ण दास, नवल गिरि महाराज, अंकित बंसल, ललिता दासी, इवान तचायेव और अन्ना कोटिक उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन समिति से अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल और ललित अग्रवाल सहित अग्रवाल परिवार के सदस्य मौजूद रहे। प्रधानाचार्य विनय शर्मा, प्रमोद शर्मा, प्रतिभा पंडित और राजेश शर्मा ने भी सहभागिता की।



जायंट्स ग्रुप ऑफ बृजभूमि मथुरा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गरबा खेलतीं सदस्याएं।

गरबा नाइट में कपल्स ने जमाया रंग

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ बृजभूमि मथुरा की ओर से स्थानीय होटल में गरबा नाइट का आयोजन धूमधाम से किया गया। दिनेशचंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में फिल्मी गीतों की धुन पर युगलों ने गरबा नृत्य कर समां बांध दिया। इस दौरान वर्ष 2027 के लिए राजेश मित्तल को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष घोषित किया गया।

कार्यक्रम में औरैया में आयोजित फेडरेशन-5 के अधिवेशन में अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल को मिले जायंट्स श्री सम्मान को पूर्व अध्यक्षों जगदीश चावला, बृजभूषण कालरा, दुष्यंत अग्रवाल और रामनिवास अग्रवाल ने उन्हें सौंपा। इस उपलब्धि पर सभी ने बधाई दी। करवाचौथ पर बेस्ट सेल्फी

राजेश मित्तल बने नए अध्यक्ष,जायंट्स बृजभूमि के आयोजन में 34 युगलों को बेस्ट सेल्फी सम्मान जायंट्स श्री से सम्मानित हुए दिनेशचंद्र अग्रवाल

के लिए 34 युगलों को सम्मानित किया गया। पंक्चुअलटी पुरस्कार पुनीत गर्ग, रमनलाल गुप्ता, शशि कालरा, लता अरोड़ा और रानी अग्रवाल को दिया गया। लकी ड्रा में अनीता-चेतन प्रजापति ने पहला, अनीता-विनोद अग्रवाल ने दूसरा और बबीता-संजीव जैन ने तीसरा पुरस्कार जीता।

कलाकार दीक्षा की फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियों पर वंदना-विजय बंसल, चारु-भूपेंद्र अग्रवाल, अमीता-संजय भटनागर, शिखा-प्रवीन भल्ला, पूनम-अमित गुप्ता, संगीता-बृजेश सिंघल, सुमनलता-अनिल शर्मा, दीपा-मनोज शर्मा, शैली-आशु भाटिया, गुंजन-संजय जॉली और सीमा-अमित चुग सहित कई युगलों ने समूह गरबा नृत्य कर उत्सव में रंग जमा दिया।

एंकर गौरव ने हाउजी खिलवाई। विजेताओं अर्चना अग्रवाल, नीता मित्तल, रेनू चावला, अंतिमा गर्ग और जितेंद्र सिंह ने नकद पुरस्कार वितरित किए। संचालन संजीव जैन ने किया। अंत में दिनेशचंद्र अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजकुमार अरोड़ा, रवि अरोड़ा, जगदीश तोमर और शकुल मित्तल सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।